गोंवा सर्व शिक्षा अभियान
वार्षिक विवरण

वर्ष
२०१३ - १४

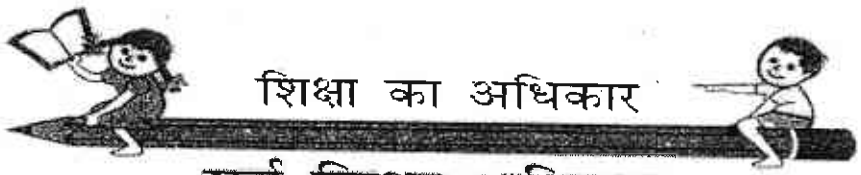

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

गोंवा सरकार
गोंवा सर्व शिक्षा अभियान
एस . सी . इ . आर . टी . अल्तो बेतीम् , गोंवा-४०३५२१
ईमेल : ssagoa@rediffmail.com
Web Site : www.goassa.nic.in
दुरभाष : ०८३२- २४१३९४९, **Fax** ०८३२-२४१५१५९

२०१३ १४ के समस्त कार्यालाप का वार्षिक विवरण

संक्षिप्त पृष्ठभूमि

गोवा सर्व शिक्षा अभियान राष्ट्रीय सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम का एक अभिन्न शाखा हैं जो राष्ट्रीय सरकार के प्रमुख कार्यक्रम अर्थात प्राथमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण समय बध्द ढंगसे करना है | इसे ८६ वे संशोधन मे अनिवार्य रूप ६-१४ साल के बच्चो के लिये शिक्षा प्रदान करना हैं |

इस प्रकार सर्व शिक्षा अभियान पिछले एक दशक से अधिक हो गया, एक ऐतिहासिक यात्रा के इस लंबी पोषित लक्ष्य की दिशा में सार्वभौमिकरण प्राथमिक शिक्षा है | राष्ट्रीय मिशन के अनुरूप गोव सर्व शिक्षा अभियान का उद्देश गोवा के राज्य में ६-१४ आयु के सभी बच्चों को उपयोगी और गुणवत्तापुर्ण प्राथमिक शिक्षा प्रदान करना हैं | सर्व शिक्षा अभियान के प्रयासों का उद्देश भी समुदाय की भागीदारी के माध्यमसे स्कूल प्रणाली के प्रदर्शन को और बेहतर करना हैं | साथ हि शिक्षकों को बेहतर प्रशिक्षण देना है |

चुनौतिया :-

१. स्कूलिंग

गोवा सर्व शिक्षा अभियान २ अक्टुबर २००५ को गोवा राज्य में शुरू किया गया जो युईई के प्रयोजन के लिए एक विशिष्ट समय सीमा में लक्ष्य प्राप्ती के लिए था | जहॉ तक गोवा मे प्राथमिक स्तर पर नामांकन तथा उपस्थित बच्चों में अवधारणा का संबंध है इसमें कई चुनौतियां हैं जिसमें सबसे प्रमुख है प्रवासी मजदूर के बच्चे |ये अस्थाई आबादि हैं जिसका एक बड़ा हिस्सा पडोसी राज्यों जैसे कर्नाटक,महाराष्ट्र से आए है साथ हि उडिसा, आंध्रप्रदेश,तामिलनाडू एवंम बिहारसे आए बडी संख्यामें मजदूर मछली पकडने तथा पर्यटन उद्योगसे संबधीत मौसमि रोजगार में संलिप्त है |

हालाकी गोवां सर्व शिक्षा अभियान के समस्त गतिविधियोंका उद्देश समाप्त कार्योंकों संपुर्णता देना हैं लेकिन समस्या तब दिखाई देती है जब प्रवासी मजदूर के बच्चे राज्य के अंदर एवंम बाहर जगह जगह आते जाते रहते हैं जिससे इनका प्रारंभिक शिक्षा प्रभावित होता हैं | इन प्रभावित बच्चों कों निर्वादय रूपसे प्रारंभिक शिक्षा जो औपचारिक प्रारूप में हैं देने का प्रयास एएनआरएसटिसी का है जो उन्हे आरएसटी केंद्रोमें भर्ती करते हैं | हालाकी यह एहसास है की जबतक ऐसे कमजोर बचों को स्कूली शिक्षा के साथ अवासिय सुविधा एवं उचित प्रशिक्षण केंद्र की व्यवस्था नहि होगी तबतक ऐसी समस्या बनी रहेगी जे बच्चोंको मुख्यधारा के शिक्षा से नहि जोड पाएंगे |

२. समावेश

गोवा सर्व शिक्षा अभियान ने विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध करानेका प्रयास किया हैं | जिसके अंतर्गत साहायक साधन, ब्रेल में किताबें, श्रवण साधन तथा अन्य साधनोंको सिडब्ल्युएसएन को उपलब्ध कराया गया है जिससे की बच्चोंकें जरूरत के मुताबित एक उत्साक वर्धक वातावरण का निर्माण हों | एक विशेष अभियान "बढते कदम" जो नेशनल ट्रस्ट के सहयोग के साथ सामुदायिक जागृकता बढ़ाने के लिए दिसंबर २०१२ के प्रथम सप्ताह के दौरान शुरूकिया गया

३ . प्रभावी शिक्षक प्रशिक्षण

सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर से एक चुनौती भरा कार्य रहा है | रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकोंका प्रशिक्षण प्रासंगिकता एवं जरूरत के मुताबिक विभिन्न क्षेत्रोंमें किया गया | शिक्षंकों को सक्षम बनाने के लिए मॉडयुल बनाए गए ताकी कक्षा रोचक एवं बच्चो के अनुकूल बने तथा इनके श्रमता एवं कौशल्य का विकास हो सके | प्रशिक्षण प्रक्रियामें शिक्षकोंकी प्रत्यक्ष भागिदारी बढ़ाने के लिए कार्यक्रमोंमे विभिन्न गतिविधियों जैसे चर्चा, समुह बातचित, विषय प्रस्तुतिकरण, कार्यशाला को शामिल किया गया |

सर्व शिक्षा अभियान के कार्यालय के दौरान वजट आबंटन, व्यय का ब्यौरा जो आगे के पृष्ठोंमें दिया गया है |

४ . समुदाय संगठन

समग्र स्कूल के प्रदर्शन मे १००% समुदाय की भागीदारी एक सपना बना हुआ है | फीर भी अधिकांश स्कूल में एसएमसी शिक्षा के अधिकार अधिनियम के आलोक मे विद्यालय प्रवंधन मे अपनी भूमिका लगातार सक्रिय शिक्षा के साथ निभा रहा हैं | जो गर्व की बात है | एसएमसी बड़े पैमाने ग्रामिण सरकारी स्कूलों मे सक्रियताा के साथ विकास के पैमाने को आगे बढ़ाने में लगे है | हालांकी हमे अभी भी इन क्षेत्रों में पूर्ण उपलब्धि का दावा पाने में एक लंबा रास्ता तय करना हैं | एसएमसी प्रशिक्षण वर्ष के अंत तक सक्षम ढंगसें चलता रहा |

५ . अन्य

रिपोर्टिंग वर्ष में गोवा सर्व शिक्षा अभियान में एक सुखद बदलाव देखने को मिला जब संगठन की बागडोर नए राज्य परियोजना निदेशक के रूप में आया | श्री मिनानाथ उपाध्ये, सेवानिवृत्त प्राचार्य विवेकानंद उच्च माध्यमिक विद्यालय,बोरी गोवाने १० जून २०१३ को निदेशक के रूप में पदभार लिया जो १ मई २०१३ को तत्कालिन निदेशक के निवृत्त होनेसे खाली था | प्रारंभिक समस्यांओंके बावजूद उनका संगठन से जुड़ाव ने कई क्रांतिकारी परिवर्तन लाया जैसे की एडब्ल्युबी और पी के व्दारा निर्धारीत थाना वितिय और भौतिक लक्षों को शानदार ढ . ग से हासिल करना है |

हमें पिएबी मिनटस जो देरसे प्रथम सप्ताह २०१३ को प्राप्त हुआ इससे शुरूवात की प्रक्रिया थिमि हो गई लेकिन जल्द ही गोवा सर्व शिक्षा अभियान वापस आकर अपने खोये समय को प्राप्त किया तथा निरंतर अच्छे प्रदर्शन की और अग्रेसर रहा | पिछले एक दशक में हमारा सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा जब उपलब्धी दर २०%० से जादा रहा जो अत्यंत हि गर्वीत एवं प्रशंसनिय उपलब्धी कहा जा सकता है बावजूद प्रारंभिक अडचन के |

गोवा सर्व शिक्षा अभियान का संगठनात्म रचना

शासी परिषद

मुख्य सचिव	अध्य गो.स.शि.अ .सोसायटी
शिक्षा सचिव	अध्य कार्यकारी समिति
वित्त सचिव	सदस्य
सचिव लोक निर्माण विभाग	सदस्य
सचिव नियोजन	सदस्य
सचिव ग्रामीण विकास एजेंसी	सदस्य
सचिव समाज कल्याण	सदस्य
सचिव, महिला एवं बालविकास	सदस्य
सचिव पंचायत	सदस्य
शिक्षा के निदेशक	सदस्य
राज्य परियोजना निदेशक	सदस्य सचिव
मिस.रजनी खेन्नन्तन्लगी	
सहायक प्रो.[3]टीआई एस एफ, टी आई एस	सदस्य

क्रियान्वयन समिति ऑफ गोवा सर्व शिक्षा अभियान समाज

अप्पर सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली	अध्यक्ष
अध्यक्ष चुनाव आयोग/शिक्षा सचिव	सदस्य
वित्त सचिव	सदस्य
सचिव योजना	सदस्य
सचिव समाज कल्याण	सदस्य
सचिव महिला एवं बाल विकास	सदस्य
सचिव पंचायत	सदस्य
सचिव लोक निर्माण विभाग	सदस्य
शिक्षा निदेशक	सदस्य
राज्य परियोजना निदेशक	सदस्य सचिव
निदेशक,एस सी इ आर टी	सदस्य
निदेशक महिला एवं बाल विकास	सदस्य
सुश्री रजनी कोंटाटैनबिग,साहायक प्राध्यापक	
टाटा इन्स्टीटयूट ऑफ सोसियल साईसेज महाराष्ट्र	सदस्य
अधीक्षण अभियंता लोनिवि (दक्षिण)	सदस्य
अधीक्षण अभियंता,लोनिवि (उत्तर)मॉनिटरींग	
एवं मूल्यांकन इकाई आल्तीनो पणजी	सदस्य
उप शिक्षा निदेशक (वयस्क)	सदस्य
उप शिक्षानिदेशक (उत्तर शिक्षा क्षेत्र)	सदस्य
उप शिक्षा निदेशक (मध्य शिक्षा क्षेत्र)	सदस्य
उप शिक्षा निदेशक (दक्षिण शिक्षा क्षेत्र)	सदस्य
प्राचार्य डि आई टी	सदस्य
मी अशोक देसाई ,भूतपूर्व शिक्षा के निदेशक	सदस्य
डॉ गीता काले पूर्व उप शिक्षा के निदेशक	सदस्य
श्री पी.आर.नाडकर्णी पूर्व अध्यक्ष गोवा बोर्ड ऑफ माध्यमिक	
और उच्च माध्यमिक	सदस्य
श्रीम.सुरेखा दीक्षित,अध्यक्ष गोमंतक बाल शिक्षण परिषद	सदस्य
डॉ.छएल्स पिंटो,भूतपूर्व शिक्षा के निदेशक	सदस्य
श्री. धन्तिलिन्हो फलेरिया, हेडमास्टर	सदस्य
श्री.गजानन म्हान्द्रेकार, हेडमास्टर	सदस्य
डॉ.मारिया एडम्स, निदेशक स्पंदन	सदस्य
डॉ.नंदिता डिसूजा, निदेशक सेतू	सदस्य

गोवा सर्व शिक्षा अभियान
ओरगेनोग्राम
राज्य प्रकल्प कार्यालय

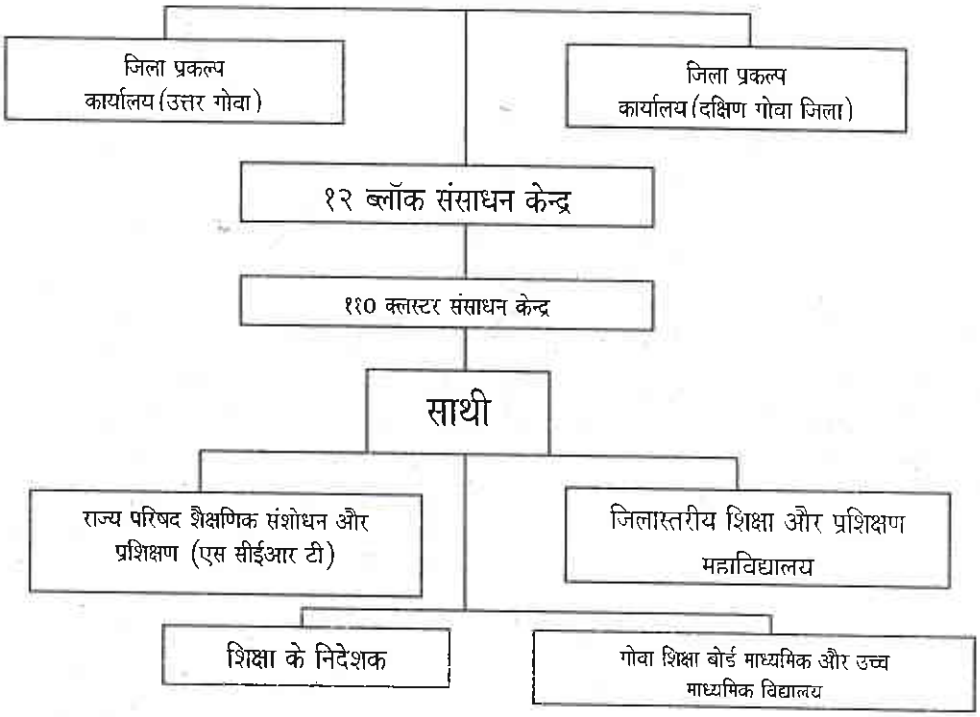

सर्व शिक्षा अभियान के कार्यक्रम और गतिविधियों के सुधार में प्राथमिक स्तर पर स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता बच्चों की अवधारण के मामलों मेंÊछात्र और शिक्षक की उपस्थितीÊ छात्र नामंकन प्राथमिक शिक्षा के अन्त तक ध्यान केंद्रित करता हैं इसलिये गोवा सर्व शिक्षा अभियान शिक्षा निदेशालय सहित के साथ हाथ मिलाने के रूप में अलग शिक्षा कार्यालयों के फैसलों में से कई इस शिर्षका दवारा क्रियान्वीत करने की आवश्यकता हैं |

प्रशासकिय ढॉचे

गोवा सर्व शिक्षा अभियान का प्रशासनिक सेटअप उत्तरी जिला और दक्षिण जिलें में उसकी साहायक जिला कार्यालयों से जुडे हुए मुख्यालय में एसपीओ कार्यालय में शामिल हैं | अधीन स्थब्लॉक संसाधन केंद्र ६ प्रत्येक जिलें में १२ बीआरसी आगे प्रत्येक जिलाकार्यालय जुडे हुए है |

निम्नलिखित नक्शा गोवा सर्व शिक्षा अभियान के प्रशासनिक संरचना का प्रतिनिधित्व करता हैं |

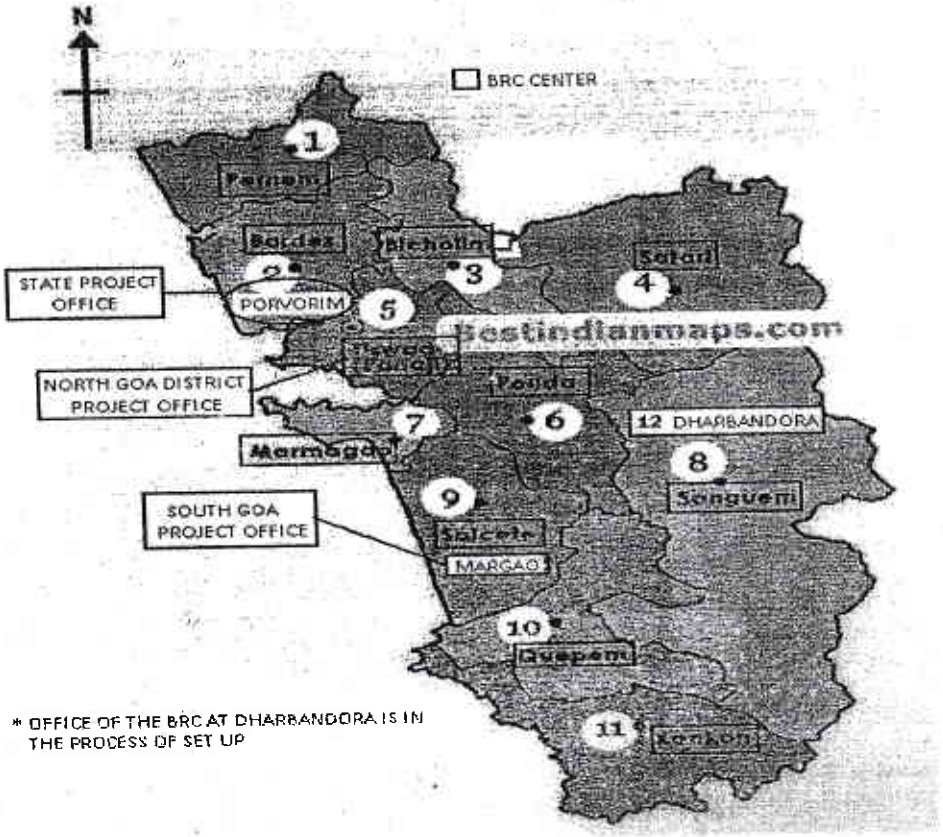

संगठनात्मक पदानुक्रम

राज्य स्तर पर : –

गोवा सर्व शिक्षा अभियान सोसायटी शासी परिषद व्दारा संचालित होता हैं È राज्य के मुख्य सचिव शासी परिषद के अध्यक्ष हैं È सोसायटी के कार्यकारी परिषद स्तपुरस और गोवा सर्व शिक्षा अभियान की योजनाओं, हस्तक्षेप और गतीविधियों पर नजर रखता हैं È गोवा सर्व शिक्षा अभियान के प्रशासनिक संरचना उपर के आकृती में दिया जाता हैं È गोवा सर्व शिक्षा अभियान का राज्य परियोजना कार्यालय पर्वरी में स्थित हैं,पणजी उत्तरी गोवा कार्यो का जिला मुख्यालय और मडगांव दक्षिण गोवा के कार्यो का जिला मुख्यालय हैं È राज्य परियोजना कार्यालय उपदवारा सहायता प्रदान की हैं जो राज्य परियोजना निदेशक के नेतृत्व में हैं | शिक्षा निदेशक, मुख्य लेखा अधिकारी और राज्य कार्यक्रम समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान के विभिन्न उपायों के साथ काम कर रहे हैं È

जिला स्तर पर :

जिला परियोजना कार्यालय शिक्षा निदेशालय के तहत शिक्षा के माध्य और दक्षिण जोन जो शिक्षा विभाग की ओर से सहायक निदेसकों की नियमित कैंडर तैयार कर रहे हैं, जो जिला परियोजना अधिकारी की अध्यक्षता में हो रहा हैं |

जिला कार्यालयों को समय-समय पर बीआरसी और आरसी दवारा दी गई जानकारी के संलन में शामील हैं | डीआईएसई डेटा औत जिला स्तर पर विभिन्न गतिविधियों की निगरानी के संग्रह जिला स्तर के प्रमुख कार्यो में से एक है |

ब्लॉक स्तर पर : –

राज्य के सभी ११ ब्लॉको में कार्यात्मक ६४ ब्लॉक संसाधन व्यक्तियोंकी एक टीम के साथ गोवा सर्व शिक्षा अभियान प्राथमिक विद्यालयोंको उपलब्ध आकादमिक सहायता प्रणाली को मजबूत करने के लिए कठिन प्रयास किया हैं |

क्लस्टर स्तर पर : –

जमीनी स्तर पर चतुरतासे ११० क्लस्टर रिसोर्स लोग, ६४ बीआरपीएस दवारा सहायता किया जो १२ ब्लॉकों में धारण करने के लिए जमा थे | राज्य परियोजना कार्यालयसे उन्हे मैदान पर और अधिक प्रभावी ढंगसे कार्य को सक्षम करने के क्रम में सी आर सी और बी आर पी एस की क्षमता निर्माण के लिए आदानों की आपूर्ती की |

समग्र मुल्यांकन :-

एक पूरी तरह कार्यात्मक एमआईएस ईकाई और सभी ब्लॉको में अन्य एकाउंटेंट सह साहायक स्टाफ के साथ, गोवा सर्व शिक्षा अभियान पूर्णभाव एडब्ल्युपी और बी के तहत राज्य के लिए स्वीकृत सभी कार्यक्रमों और गतिविधियों को करने में सक्षम था | योजना वर्ष में कर्मचारीयोंकी स्थितीने गोवा सर्व शिक्षा अभियान के समग्र सफलता अभियान में एक अत्यंतही महत्वपूर्ण भुमिका निभाई है |

गोवा सर्व शिक्षा अभियान उपलब्धियॉं
राष्ट्रीय मिशन अर्थात - ए - लक्ष्यों

उपयोग और नामांकन

- राज्य में प्राथमिक स्कूलोमें बच्चो का नामांकन ९९% से उपर हैं |
- नामांकन की लड़कियों का भाग कुल नामांकन ४९% है |
- उच्च प्राथमिक स्तर के लिए प्राथमिक से संक्रमण की दर लगभग १00% है |
- नो- निरोध एसटीडी करने के लिए नीती आठ़वी आरटीई जनादेश के अनुसार
- राज्य कें प्राथमिक विद्यालयों की उपलब्ध परिधी हर १ कि.मी.के भितर |
- राज्य में उच्च प्राथमिक विद्यालय की उपलब्ध हर ३ किमी.के दायरे के भितर
- १00% प्रशिक्षित शिक्षक हैं |
- पर्याप्त शिक्षक उपलब्धता है |
- प्राइमरी स्तर पर पीटीआर १:२६ और प्रवर प्राथमिक स्तर पर यह १:३२ हैं |

एक दूर दृष्टी राज्य नीति

- सरकारी प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में वरदि, रेनकोट का प्रावधान ,बच्चो की शिक्षा के लिए नि:शुल्क पाठय पुस्तकें |
- अनुसूचित जाति/जनजाति और अन्य पिछडी वर्गो सें संबधित बच्चों को स्कूल आधारीत परिवहन सुविधा का प्रावधान (बालरथ) अनुसुचित जाति ओर सहायता प्राप्त सरकारी स्कूलों में दी जाती है |
- अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछडा वर्ग श्रेणियों के बच्चो को छात्रवृत्ति और प्रोत्साहन |
- अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति की लडकियों और उनके अभिभावकों के लिए प्रोत्साहन
- कक्षा छठी-और नौंवी के सभी छात्रों के लिए गोलियॉ का प्रावधान शैक्षणीक वर्ष २०१३-१४ के बाद से

<u>आरटीई अधिनियम के कार्यान्वयन</u>

- राज्य शिक्षा के अधिकार नियम २ अगस्त २०१२ को अधिसूचित किया गया था |
- सतत व्यापक मूल्यांकन योजना एक बच्चें के अनुकूल तरिकेसे ६ से १४ वर्ष आयु वर्ग के बच्चो के आकलन की सुविधा के लिए शुरू की गई है |
- आरटीई जनादेश के अनुसार बच्चोंके लिए उपयुक्त आयु में प्रवेश की प्रक्रिया बनाई गई है |

- बच्चो के लिये विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था राज्य मे गैर सरकारी संगठनों ओर नियमित शिक्षकोंके माध्यम की जाती हैं |
- सर्व शिक्षा अभियान के अनुसार विशेष आवश्यकतावाले बच्चों के सिखने की जरूरत को ध्यान मे रखते हुए बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण की जरूरत लेने के पाठयपुस्तक विकास के पहल, कक्षा में भर्ती कराया और समावेशी शिक्षा के लिए दृष्टी सें आरटीई में विशेष प्रावधान हैं |

गुणवत्ता घटक

•शिक्षक प्रशिक्षण

राज्य में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शिक्षकों कें प्रशिक्षित में २० दिनोंमें प्रशिक्षण कार्यक्रमो की सेवा ब्लॉक और क्लस्टर स्तर पर आयोजित किया गया है | ब्लॉक संसाधन व्यक्ति और क्लस्टर संसाधन व्याक्ति ऐसी शिक्षा का अधिकार अधिनियम के रूप में विाभिन्न क्षेत्रोंमें प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया,जैसे कि आरटीआई एक्ट,बच्चे के अनुकूल तरीकेसे सिक्षण की तकनिक और विधिया, शिक्षण अधिगम सामग्री टीएमएल और कक्षा में लेनदेन उनके उपयोग की तैयारी स्कूल के बच्चों को पढ़ने की आदतों के विकास के लिए पुस्तकालय का इस्तमाल कर रही है आदी |

• ब्लॉक संसाधन व्यक्तियों और क्लस्टर संसाधन व्यक्तियों की प्रशिक्षण

इसके अलावा दिनचर्या मासिक बैठकों से क्लस्टर रिसोर्स पर्यन्स और ब्लॉक संसाधन व्यक्ति के क्षेत्र में शिक्षकों और विद्यार्थीयों के लिए मजाबूत और लगाातार अकादमिक सहायता प्रदान करने के लिए तरीके और क्षिक प्रशिक्षण क्षमता निर्माण की तकनीक में प्रशिक्षण दिया गया |

• नि:शुल्क पाठयपुस्तकों का प्रावधान

गोवा सर्व शिक्षा अभियान सभी सरकार के छात्रों और राज्य में सहायता प्राप्त उच्च प्राथमिक विद्यालयों और एडेड प्रायमरी स्कूलो के सभी छात्रों कों पाठयपुस्तकोंकी आपूर्ति की | १.३७ लाख से अधिक छात्रों को ऐसी योजना का लाभ मिला हैं | जो एक और ४0,000 ट्ट सरकारी प्राथमिक छात्रों के साथ लाभार्थियों थे |

• अनुदान का प्रावधान

- राज्य मे सभी स्कूलों गें अनुदान प्रदान किया गया कोई रखरखाव अनुदान और टीएलएम् अनुदान बजट मों प्रदान नाही किया गया |

• विशेष जरूरतो वाले बच्चो हेतु प्रोत्साहन

- विकलांग की हदतक निदान के लिए विशेष जरूरत वाले बच्चों की चिकित्सा जॉच |
- एलिम्को भारत की मदद से सीडब्ल्युएसएन के लिए सहायक एड्स का प्रावधान |
- सरकारी प्राथामिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में रैंप और विकलांग अनुकूल शौचालयों का निर्माण |
- गंभीर आर्थोपेडीक विकलांग के कारण नियामित रूप से स्कूलोम् तक पहुचनेमें असमर्थ सीडब्ल्यूएसएन की शिक्षा सें संबधीत विभिन्न क्षेत्रों में अध्यापक प्रशिक्षण |
- संसाधन कमरे के लिए शिक्षण अधिगम सामग्री का प्रावधान|

•स्कूल विमु बच्चो के लिए पहल

- **राज्य में आवासीय एवं गैर आवासीय (आरबीसीएस एवं एनआरबीसीएस) विशेष प्रशिक्षण केंद्र चलानेवाले गैर सरकारी संगठनोंकी भागीदारी |**
  - गैर सरकारी संगठन गैर आवासीय विशेष प्रशिक्षण केंद्र -- १४
  - राज्य में आवासीय विशेष प्रशिक्षण केंद्र -- ५९
  - स्कूली बच्चों के बाहर एनआरबीसीसी सेलाभान्वीत ५८४
  - मुख्यधारा में शामिल बच्चो की संख्या -- ४२८

समुदायिक भागीदारी

➢ एसएमसी सादस्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में निम्नलिखित विषयों पर आधारीत आयोजन किया गया |

I. शिक्षा का अधिकार अधिनियम
II. स्कूल विकास योजनाओं की तैयारी
III. एसएमसी की भुमिका और जिम्मेदारीया

राज्य रूपरेखा

- राज्य — गोवा
- जिले (२) — १.उत्तर गोवा जिला - मुख्यालय पणजी
  २.दक्षिण गोवा जिला - मुख्यालय मडगांव
- ब्लाक — १२
- क्लस्टर — १०८ क्लस्टर ग्राम शिक्षा समिती के स्तर र सेट किया जाता है
- बसे हुये गॉव — ३४७

बी . राज्य कें स्कूल

राज्य में १६८४ प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कुल हैं | ८५७ प्राथमिक स्कूल और १२३ उच्च प्राथमिक स्कूल शिक्षा विभाग के तहत राज्य सरकार व्दारा चलाये जाते हैं | राज्य में ५०४ सरकारी सहायता प्राप्त प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूल हैं | अवैतनीक प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयोंकी संख्या भी नगण्य नहीं हैं | राज्य में प्राथमिक स्कूलों की संख्या १४४ और उच्च प्राथमिक स्कूलों की संख्या २५ है नतीजा कुल मिलाकर १६९ अवैतनीक संस्थाए शिक्षा के कारण के लिए कार्यरत है | स्कूलों की संख्या का विस्तृत आंकडे प्रासंगिक तालिका मे प्रस्तुत किया गए है |

स्कूलों की संख्या (ब्लॉक स्तर पर)

क्र.	ब्लॉक	स्कूलों की संख्या (ब्लॉक में						कुल		
		सरकारी स्कूल		साहायता प्राप्त स्कूल		बेबस				
		पी एस	यू पी (एच एस के साथ)	पीए स	यूपी (एच एस कें साथ)	पीएस	युपी (एचएस के साथ)	पीएस	युपी	कुल
१	पेडणे	७९	१७	१३	२८	११	१	१०३	४६	१४९
२	बार्देज	७६	९	४३	५३	३५	५	१५२	६७	२१९
३	बिचोलिम	९०	१३	९	१९	७	0	१०६	३२	१३८
४	सत्तारी	१०९	२२	५	७	२	0	११६	३२	१३८
५	तीस्वाडी	४५	६	२७	३९	२५	२	९७	४७	२१४
६	फोंडा	१३१	७	२६	३८	१0	२	१६७	४७	२१४
	कुल	५२८	७४	१२३	१८४	९0	१0	७४१	२६८	१००९
७	सांगे	५८	७	३	५	0	0	६१	१२	७३
८	केंपे	६६	१0	१४	११	२	0	८२	२१	१0३

९	सालसेट	५४	१0	५२	५७	३६	१0	१४२	७७	२१९
१0	कानकोना	७0	९	१४	१३	१	0	८५	२२	१0७
११	मारमागोवा	२६	११	२२	२६	१४	५	६२	४२	१0४
१२	धारबान्दोरा	५५	२	२	९	१	0	५८	११	६९
	कुल	३२९	४९	१0७	१२१	५४	१५	४९0	१८५	६७५
	कुल	८५७	१२३	२३0	३0५	१४४	२५	१२३१	४५३	१६८४

जिला	स्थर	प्रबंध	बच्चो की संख्या												कुल
			आम			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाती			अन्य पिछड़ा वर्ग			
			लडकियॉ	लडके	कुल	लडकियॉ	लडके	कुल	लडकियॉ	लडके	कुल	लडकियॉ	लडके	कुल	
	प्राथमिक (पहली-चौथी)	सरकारी	६८५९	६५१०	१३३६९	१६१	१५८	३१९	५७१	६४४	१२१५	५३४	५५२	१०८६	१५९८९
		सरकारी सहायता प्राप्त / बेबस	१६७५०	१५२८४	३१९९८	१६३	१७३	३३६	५९८	५५२	११५०	१४७७	१३३१	२८०८	३६२९२
उत्तरी गोवा		कुल	२३६०९	२१७५८	४५३६७	३२४	३३१	६५५	११६९	११९६	२३६५	२०११	१८८३	३८९४	५२२८१
	उच्च प्राथमिक (पाचवी - आठवी)	सरकारी	२५०५	२२४०	४७४५	८२	८९	१७१	२०९	२२६	४३५	३९६	३४६	४७२	६०९३
		सरकारी सहायता प्राप्त / बेबस	१५०५८	१६५६२	३१६२०	३९१	४०८	७९९	१७३४	१६०८	३३४२	११२१	३६३०	४७५१	४०५१२
		कुल	१७५६३	१८८०२	४५१०८	४७३	४९७	९७०	१९४३	१८४३	३७७७	१५१७	३९७६	५४९३	४६६०५
	प्राथमिक (पहली-चौथी)	सरकारी	३२१७	३२६६	६४८३	१२४	१३७	२६१	१३७६	१३३६	२७१२	७४९	७५१	१५००	१०९५७
		सरकारी सहायता प्राप्त / बेबस	१५१६३	१३६५७	२८८२०	१३५	१४२	२७७	१३७४	१३४४	२७१८	८४४	७८३	१६२७	३३४४२
दक्षिण गोवा		कुल	१८३८०	१६९२३	३५३०३	२५९	२७९	५३८	२७५०	२६८०	५४३०	१५९३	१५३४	३१२७	४४३९८
	उच्च प्राथमिक	सरकारी	१३९७	१२१९	२५९८	१४७	१२९	२७६	८१४	८९०	१७०४	२९९	२८२	५८१	५१५९

	(पाचवी - आठवी)	सरकारी सहायता प्राप्त / बेबस	१५८५६	१४२६३	३०११९	२२४	२00	४२४	२५२१	२२८३	४८0४	१५८२	१५१८	३१00	३८४४७
		कुल	१७२३५	१५४८२	३२७१७	३७१	३२९	७00	३३३५	३१७३	६५0८	१८८१	१८00	३६८१	४३६0६
राज्य	प्राथमिक (पहली-चौथी)	सरकारी	१000७६	९७७६	१९८५२	२८५	२९५	५८0	१९४७	१९८0	३९२७	१२८३	१३0३	२५८६	२६९४५
		सरकारी सहायता प्राप्त / बेबस	३१९१३	२८९0५	६0८१८	२९८	३१५	६१३	१९७२	१८९६	३८६८	२३२१	२११४	४४३५	६९७३४
		कुल	४१९३९	३८६८१	८0६७0	५८३	६१0	११९३	३९१९	३८७६	७७९५	३६0४	३४१७	७0२१	९६६७९
	उच्च प्राथमिक (पाचवी - आठवी)	सरकारी	३८८४	३४५९	७३४३	२२९	२१८	४४७	१0२३	१११६	२१३९	६९५	६२८	१३२३	११२५२
		सरकारी सहायता प्राप्त / बेबस	३0९१४	३0८२५	६१७३९	६१५	६0८	१२२३	४२५५	३८९१	८१४६	२७0३	४२५१	६९५४	७८0६२
		खुल	३४७९८	३४२८४	६९0८२	८४४	८२६	१६७0	५२८७	५00७	१0२८५	३३९८	४८७९	८२७७	८९३१८
		भव्य कूल	७६७८७	७२९६५	१४९७५२	१४२७	१४३६	२८६३	९१९७	८८८३	१८0८0	७00२	८२९६	१५२९८	१८५९९३

हस्तक्षेप और उपलब्धीपर एक नजर·

२०१३ - १४ में घटक अनुसार भौतिक और वित्तिय प्रगती का सारांश

क्र.	हस्तक्षेप	कुल परिव्यय २०१३ - १४		उपलब्धी २०१३ - १४	
अ	स्वीकृत	भौतिक	वित्तीय	भौतिक	वास्तविक वित्तीय
.	स्कूल के बाहर के बच्चों के लिए हस्तक्षेप	१३७६	३९.९०	५८४	५.६९
आ	प्रतिधारण				
	मुफ्त पाठ्यपुस्तके	१३७१३१	२७७.४७	१३७१३१	२५४.१२
		८४७३ कक्षा एक और तृतीय (एक सेट)और १५९२१ शेष वर्ग के बच्चो (दो सेट)	८०.६३	२३८३०	५८.३१
इ	बुनियादी सुविधाएँ -सिविल वर्क्स सिविल वर्क्स	स्पील ओवर रू.१५.३२ ताजा रूपये ४८.८०	६४.१२		१००.५४
ई	गुणवत्ता मुद्दो को बढ़ाने शिक्षक वेतन (आवर्ती)	२५४	९७१.७०	२४६	८४९.३५
	शिक्षक ट्रेनिंग (ब्लाक स्थर पर)	६६७६	३३.३८	५३४१	३६.५६
	मासिक क्लास्टर स्थर की बैठक (सी.आर.सी.स्थर) (३ दिन)	६६७६	३३.३८	५३४१	३६.५६
	मुख्य शिक्षक				

	दस दिनों के लिए बी . आर . सी स्थर और उससे उपर के लिए ताजा आवासिय सेंवा में संसाधन व्यक्ति संसाधन व्यक्ति, मास्टर परिकर, बी . आर . सी . और सी . आर . सै संकाय और समायोजक के लिए ताजा आवासिय प्रशिक्षण दस दिनों के लिए ब्लाल संसाधन केंद्र	१३०	३६६ . 00	१0८	१८0 . ५८
	उच्च प्राथमिक विद्यालयों में संगणक सहायता प्राप्त शिक्षा				
उ	लिंग और सामाजिक वर्ग भेद कम करने हेतु				
	विशेष जरूरतों वालें बच्चो के लिए हस्तक्षेप (आई . ई . डी)	१४९१	१७ . ८९	१४९१	१0९३
	नवाचार के लिए प्रति जिलं में ५0 लाख रूपाये खर्च				
	बालिका शिक्षा ई . सी . सी . ई .				
	अनुसूचित जाती / अनुसूचित जन जाती के शहरी वंचित बच्चे		६ . 00		

ऊ	णवाचार उच्च प्राथमिक विद्यालयों में संगणक सहायता प्राप्त शिक्षा				
ए	अनुसंथान मुल्यांकन निगरानी और पर्यवेक्षण आर . ई . एमस				
ऐ	एम . एम . सी / पूर्व प्रशिक्षण गैरआवासिय प्रशिक्षण	४०७६	८ . १५		४ . ४४
ओ	वार्षिक अनुदान विद्यालय अनुदान	१४९०	८३ . ००	१४९०	७६ . ९५
औ	प्रंबधन और एम . आई . एस परियोजना प्रबंधन लागत (डि . पी . ओ . स्थर) परियोजना प्रबंधन लागत (राज्य स्थरीय) संवर्धन के लिए शिक्षा कार्य क्रम समुदाय लामबंदि क्रियाएँ आर . ई . एम . एस . कुल		७३ . २० ५७ . ३२ १० . ६६ ६ . ९७ १५९४०८	 २४५१ . २२	 ४७ . २५ ७९ . २१ ० १ . ३६ १९६६ . ९८

वर्ष २०१३-१४ के हस्तक्षेप और उपलब्धियों के मुख्य अंश / संक्षिप्त नोट्स

शिक्षकों का वेतन

गोवा सर्व शिक्षा अभियान ने राज्य में सरकारी प्राथमिक स्कूलों के लिए वर्ष २००७ के समर्थन में १७९ प्राथमिक शिक्षकोंकी नियुक्ति की |एन शिक्षकों को राज्य के दुरदाज इलाकों में कार्य करने की कल्पना की गई थी | शिक्षकों को शिक्षा निदेशालय की सेवा में रखा जाता है और नियमित रूप से स्वीकार्य रूप में समय समय पर लाभ के साथ भुगतान किया जाता हैं | एन शिक्षकों के वेतन गोवा सर्व शिक्षा अभियान दवारा प्रतिपूर्ति किए जाते हैं | प

पी.ए.वी. मंजूरी के अनुसार नियमित शिक्षकों के वेतन के लिए ८५९.२० लाख रूपये आवंटित किए गए थे | पूरी राशि राज्य शिक्षा निदेशालय को प्रतिपूर्ती हैं |

शिक्षकों का वेतन

	लक्ष्य		उपलब्धी	
	भौतिक	वित्तिय	भौतिक	वित्तिय
प्राथमिक शिक्षक (नियमित)	१७९	८५९.२०	१७९	७८७.६०

भाग संसाधन केंद्र

ब्लाक स्तरीय संसाधन व्यक्तियों के अकाादमिक सहायता प्रणाली को सुविधाजनक बनानेके लिए रिपोर्टींग वर्ष में लगातार प्रयास किए गए थे |

बी.आर.सी और सी.आर.सी के लिए जून २०१२ में एक दिन का ब्लाक स्थरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था | उन्हे साल २०१३-१४ में पी.ए.बी.व्दारा कार्यालापों के लिए मंजूरी दि गई और उन्हे ब्लाक और समुहबद्ध स्तर पर पंचांग ईयार करने के लिए कहा गया था |

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान त-व जैसे शिक्षण प्रशिक्षण,स्वभाव संबधीत समस्या सम्मिलीत शिक्षण के लिए हस्तक्षेप संप्रदाय प्रशिक्षण की जरूरत इन सभी मुद्दो पर चर्चा की गयी थी और तभी योजना में भेतिक और वित्तिय लक्ष्य तैय किए गए थे |

बी.आर.सी. समायोजक बी.आर.सी. केंद्र में मासिक बैठक और भेट के व्दारा आगे का कार्या लाप जॉचते थे | राज्य गटों ने बी. आर.सी.और सी.आर.सी.केन्द्र में भेट की और शिक्षक और संप्रदाय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए संसाधन मदद भी की | प्रगती को जॉचने के लिए विद्यालयों और आवासिय और गैर आवासिय विशेष प्रशिक्षण केंद्रो में बी.आर.पी और सी.आर.पी. व्दारा भेट की गई थी |

शिक्षक प्रशिक्षण

कार्यान्वयन के तीसरे वर्ष में होने के कारण प्रशिक्षण मॉडयुल में शामिल सी . सी . ई के कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों को निखारने और समग्र आकलन और मुल्यांकन प्रणाली में अपने आवेदन की एक गहरी समझ पाने के लिए इस पर बहुत गहराई से विचार किया गया | सी . सी . ई के अलावा अन्य मुद्दें जिन्हे शिक्षक प्रशिक्षण मॉडयुल में छुए गए वे थे बच्चों केंद्रीत शिक्षण | निम्नलिखित तालिका शिक्षक प्रशिक्षण के हस्तक्षेप में लक्ष्य और उपलब्धियों को दर्शाती है |

१०	शिक्षण प्रशिक्षण लक्ष्य	लक्ष्य		उपलब्धी	
		भैतिक	वित्तिय	भौतिक	वित्तिय
१० . ०१	बी . आर . सी स्थर पर पुनश्चर्या वाकालीन शिक्षण प्रशिक्षण और १० दिनों से उपर	६६७६	३३ . ३८	६६७६	३६ . ५६
१० . ०२	एक दिन मासिक क्लस्टर स्तर की बैठक और साथियों के समुह प्रशिक्षण सत्र के १० महिने के लिए सभी शिक्षकों के लिए प्रत्येक वर्ष में बी . आर . सी स्थर पर - ८ दिन	६६७६	२० . ०२८	६६७६	
	कुल उप	१३३५२	५३ . ४०८	१३३५२	३६ . ५६

स्कूल छोड बच्चों के लिए हस्तक्षेप

विशेष प्रशिक्षण के लिए जी . एस . एस . ए के साथ गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी के नाम

गैर आवासिय विशेष प्रशिक्षण केंद्र	गैर आवासिय विशेष प्रशिक्षण केंद्र
शिक्षकों के ट्रस्ट, पारा, बार्देज	साई लाईफ केयर , धारबांदोरा
कोंकण डेवलपमेंट सोसाईटी, ओडसेल, तीस्वाडी	कारीतास, गोवा
सोसायटी ऑफ सेंटविंसेंट डी पॉल स्कूल, बार्देज	नित्या सेवा निकेतन, रिवोना
ए . एन . पी . का लायन्स क्लब बार्देज	मूवींग स्कूल, पेरनेम
एल शदाय चैरिटेबल ट्रस्ट, बार्देज	दामोदर के . वी . सोसायटी मारमुगोआ
आशा किरण ट्रस्ट,पोंरवोरीम,बार्देज	
किरन निकेतन सेशल सेंटर, जुवारीनगर, गोवा	
डेस्टरो ईव्स महिला मंडल, वास्कों - डा - गामा	
दिशा दिवाईन प्रोविडेंस फाऊंडेशन, कुंकोली, सालसेट	

२०१३-१४ के बाहर के स्कूली बच्चों के लिए भौतिक और वित्तिय उपलब्धी

क्र	हस्तक्षेप	पी.ए.बी मिनट के अनुसार लक्ष्य २०१३-१४	भौतिक उपलब्धी	वित्तिय लक्ष्य (रूपये लाखों में)	वितिय उपलब्धी (रूपये लाखों में)
२	एन.आर.सी.टी.सी. (ताजा)	१३७६	३९.९०	१३७६	५.६९
	कुल	१३७६	३९.९०	१३७६	५.६९

मुफ्त पाठयपुस्तके

राज्य में साल २०१३-१४ में सर्व शिक्षा अभियान ने कक्षा पहली से आठवीं तक के बच्चों के लिए पाठयपुस्तकों की मुफ्त आपूर्ती के लिए धन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की | निम्नलिखित तालिका इस योजना की उपलब्धी के बारें में जानकारी देते हैं |

६	मुफ्त पाठयपुस्तक	लक्ष्य		उपलब्धी	
		भोतिक	वित्तिय	भोतिक	वित्तिय
६.०१	मुफ्त पाठयपुस्तक (प्राथमिक)	६५३५८	९८.०४	६५३५८	२५४.१२
६.०१	मुफ्त पाठयपुस्तक (उच्च माध्यमिक)	७१७७३	१७९.४३३	७१७७३	
	कुल उप	१३७१३१	२७७.४७०	१३७१३१	२५४.१२

विशेष आवश्यकता वालें बच्चो के लिए हस्तक्षेप - आई.ई.डी.

(सर्वसामावेशीशिक्षा)

१९	सी.डब्लू.एस.एन.बच्चो के लिए हस्तक्षेप (आई. ई. डी.)	लक्ष्य		उपलब्धी	
		भौतिक	वित्तिय	भौतिक	वित्तिय
१९.१	समावेशी शिक्षा कें लिए प्रावधान	१४९१	१७.८९२	१४९१	१०.९३
	कुल उप	१४९१	१७.८९२	१४९१	१०.९३

सी.डब्लू.एस.एन.बच्चो के लिए चिकित्सा शिविरों कें संचालन

१२ ब्लॉकों मैं बी.आर.सी. स्थर पर चिकित्सा शिबिर आयोजित किए गए थे | ८८१ बच्चें इन शिविरों से लाभान्वित हुए | जरूरत मंद बच्चो के लिए नुस्खे लिए गए | कुछ बच्चों को आगें चिकित्सा प्रमाणपत्र के लिए सरकारी अस्पतालों में ले जाया गया |

एलिम्को भारत द्वारा चि ा मुल्यांकन और वितरण शिबिर

गोवा सर्व शिक्षा अ ने कृत्रिम अंग निर्माण निगम के साथ विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए चिकित्सा मूल्यांकन शिबिर त नों के लिए ६/१२/२०१३ से ८/१२/२०१३ तक तीन भागों मे आयोजित किया था जो पेरनेम , फोंडा ालसेद में किया गया |

- १४४ सी डब्ल्यू ए ने पहचान करके २८४ सहाय्यक साधन , मूल्य ६,९२,९६२/- रूपाये विकलांग व्यक्तियों सहायता योजना के तहत ६०‰ आर्थिक सहायता (एस एस ए रूपये २,७७,१८४) के तो दिया गया |
- सर्व शिक्षा अभियान आवास और छात्रावास की सुविधाएँ एलिम्को दल तथा वितरण शिबिरों को प्रदान की है |

सी डब्ल्यू एस एन के मात ाओं के लिए अभिनावक जागरूकता शिबिर |

एक दिन का माता ा जागरूकता कार्यक्रम फरवरी २०१४ के तीन सप्ताह में ब्लॉक स्तर पर आयोजित किया गया |

कार्यक्रम का विषय ारंभिक बाल हस्तक्षेप और निवारक उपाय" और इसके लिए ३000 रूपये हर एक भाग को देने के लिए इ क्रम में मंजूरी दी गयी |

शल्य - विद्या और चिकित्सा

१. ११ साल की प्रवीणा र्वकर को पहले ही चिकित्सा अप्रैल २०१३ को प्राप्त हुई | डॉक्टर ने वही सेवा जारी रखने की सला और तिसवाडी बी आर सी ने उसके मामले में पहल की | वर्ष २०१३ - १४ में १४,४00 रूपये सर्व अभियान द्वारा फिजियो थेरेपी के लिए प्रवीणा फातर्पेकर के लिए स्वीकृत की गई हैं |

२. १३ साल का फ्रांसिस राउजो नामक बच्चा जो प्रगतिशील पेशी डिस्ट्रोफी से ग्रस्त है उसे घर पर ही फिजियो थेरेपी की यकता थी | उसने पीपल्स माध्यमिक विद्यालय में चौथी तक पढाई की है | बी आर पी सी डब्ल्यू न तिस्वाडी की रिपार्ट के तहत डॉक्टर ने उसे सप्ताह में एक बार फिजियो थेरेपी देने की सला थी | वितीय वर्ष २०१३ - १४ में गोवा सर्व शिक्षा अभियान द्वारा ८४00 रूपये एक फिजियो ट की भर्ती करके ७६ यात्राओं के लिए मंजूरी दी गई है |

३. मिस जसिंता सनता बी आर पी (सी डब्ल्यू एस एन) ने सुधारात्मक सर्जरी के मामले के लिए मि.एनेट फर्नान्डीस ल्की मानसिक विकलांगता तथा ६0 की कम बुध्दि से ग्रस्त है उनका दौरा किया | वह होली क ध्यमिक विद्यालय शिवोलिम में जीवन कौशल संसाधन कक्ष से है | १0 अगस्त २०१0 को वह विद्य में गिर गयी थी और उसकी दाहिनी जाँध की हड्डी टूट गयी थी | वह संकल्प अस्पताल धुलेर माप भर्ती करायी गयी थी जहाँ उसके पैर पर वजन मशीन रखी गयी थी और

दवाइयॉ शुरू की गई | १० अगस्त २०१० को दोपहर १२ .00 बजे बच्चे पर शस्त्रक्रिया की गयी थी जिसमें एक थाली उसके पैर में डाली गयी | बच्चे को संकल्प में संचालित करने वाले डॉक्टर थे रवी नाचनोलकर जिन्होंने उसपर उपचार कर दो साल बाद वह थाली उसके पैर से निकाली | ज्योंकि बच्चे के माता पिता की आर्थिक स्थिति ठीक नही थी इसलिए उन्होंने मिस एनेट फर्नांडीस को आर्थिक सहायता देने का अनुरोध किया था | ए डब्ल्यु पी और बी २०१३ - १४ के अनुसार १२५00 रूपये उन्हे मिस एनेट फर्नांडिस को सुधारात्मक चिकित्सा के लिए मंजूरी दी गई है |

विद्यालय अनुदान

राज्य के सर्व शिक्षा अभियान के विद्यालयों को विद्यालय अनुदान प्रदान किया गया |

१६ .	विद्यालय अनुदान	लक्षय		उपलब्धि	
		फी	फीन	फी	फीन
१६ .0१	प्राथमिक विद्यालय	१0६५	७३ . २५	१0६५	
१६ .0२	उच्च प्राथमिक विद्यालय	४२५	२९ . ७५	४२५	७६ . ९५
	कुल	१४९0	८३ .00	१४९0	७६ . ९५

प्रबंधन और एम आई एस

प्रबंधक और निगरानी ज़ानकारी सेवा (एम आई एस) का विवरण निम्नलिखित है | ५७ . ३२ रूपये की राशि इस मद के तहद मंजूर की गई और यह ४७ . २५ लाख रूपये की सीमा तक उपयोग किया गया था |

लक्षय और इस हस्तक्षेप की उपलब्धियों का विवरण निम्नतालिका में दिया गया है |

		लक्षय		उपलब्धि	
२४	प्रबंधक और गुणवत्ता (ऊपर परिव्यय का ६‰)	फी	फीन	फी	फीन
२४ .0१	प्रबंधक और एम आई एस ३ . ५‰ तक		५७ . ३२		४७ . २५
२४ .0२	विव्दता संवर्धन कार्यक्रम (एल ई पी और यूपी) (२‰तक)		१0 . ६६		
	उपकुल		६७ . ९८		४७ . २५

२५	राज्य घटक	लक्षय		उपलब्धि	
		फी	फीन	फी	फीन
२५.०१	प्रबंधक और एम आई एस		७३.२०		७९.२१
२५.०२	आर ई एम एस	१४९०	६.९७३		१.३६
	उपकुल	१४९०	८०.१७३		८०.५७

एस एम सी प्रशिक्षण

दो दिनों के गैर आवासीय सामुदायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए एस एम सी प्रशिक्षण विस्तुतदिशा निर्देशक संबंधी जानकारी बी आर सी और सी आर सी को दिए गए | स्कूल के विकास और निगरानी के योजना प्रक्रिया में समुदायक महत्व पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रकाश डाला गया |

समुदायिक प्रशिक्षण के लक्ष्यों की उपलब्धियों के अंतिम आकडे निम्नतालिका में दी गए हैं |

२१	एस एम सी / पी आर आई प्रशिक्षण	लक्षय		उपलब्धि	
		फी	फीन	फी	फीन
२१.०२	गैर आवासीय तीन दिन	४०७६	८.१५२	२४००	४.४४
	उपकुल	४०७६	८.१५२	२४००	४.४४

अभिनव :

इस विषय के अंतर्गत पी.ए.बी . २०१३ - २०१४ तिसवाडी तालुका में प्रयोग में लाने के लिए सी.सी.आई (भारतीय उद्योग परिसंघ) व्दारा एक प्रयोजन को मंजुरी दी थी | जानकारी निम्नलिखित है |

सी आई आई -सर्व शिक्षा अभियान के संयुक्त परियोजना पर नव - निर्माण

पी.ए.बी ने ६.०० लाख रूपये की लागत से एस.सी.ई.आर.टी.एवं इंडियन इंडस्ट्रीज (सी आई आई) कोरलिम परियोजना के परिसंध के संयोग से शहरी सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्थर में सुधार के लिए अभिनव हस्तक्षेप को मंजूरी दी थी |

२९/७/२०१३ को आयोजित बैठक में सी आई आई संयोजक श्री अनील खेर उप.शिक्षा के निर्देशक श्री दिलीप भगत डी पी सी (उत्तरी गोवा) और तिसवाडी भाग के सभी बी आर पी और सी आर पी के साथ इस प्रस्ताव पर चर्चा की गयी | ५ /८/२०१३ को एक और बार बैठक हुई जिसमें निम्नलिखित निर्णय लिए गए :-

१. डॉ.जी सी प्रधान को संसाधन व्यक्ति के रूप में परिक्षण उपकरण स्थापित करने के लिए नियुक्त किया गया था | उनका परिक्षमिक ५00 रूपए प्रति दिन के लिए तय किया गया था |
२. प्रश्न पत्र बनाने वालो के लिए दोपहर का भोजन और परिवहन सहित ४00 रूपए परिक्षमिक प्रतिदिन के लिए तय किया गया था |
३. परिक्षण उपकरणों के विकास के लिए पूरे नवम्बर २०१३ कक्षा तिसरी और चौथी के लिए विषय ई .वी.एस गणित और अंग्रेजी की अनुसूची बनाई गयी |
४. तीन शिक्षिकाओं व्दारा परिक्षण उपकरण हर एक विषय में तैयार किए जाऐंगे और यह नवम्बर २०१४ को पुरा कर लिया जाएगा |
५. उपलब्धि परिक्षा की अनुसूची १0 दिसंबर को निर्धारित किया गया था इसलिए मुद्रण के मूल्यांकन का उपकरण ५ दिसंबर २०१३ तक पूरा किया जाएगा |

सी आई आई व्दारा कोरलिम परियोजना सरकारी प्राथमिक पाठशाला काम वर्ष २00९ -२०१३ में यह तिसवाडी भाग के सभी सरकारी प्राथमिक पाठशालाओं को लागू करने के लिए दोहराया गया |

इस परियोजना का उद्देश सरकारी प्राथमिक पाठशालाओं के शिक्षकों के कौशल्य को सुधारने के लिए और भाग के शहरी वंचित बच्चों की जरूरतों के अनुसार शिक्षकों का स्वयं के नियोजन को विकसित करने के लिए सशक्त करना है |

इस महिने के आखिर में सभी शिक्षकों की मासिक बैठक की योजना बनाई थी | पाठों की वर्गवार मासिक योजना को अंतिम रूप देने के लिए और चर्चा करने के लिए शिक्षकों ने भेट की | इस बैठक की योजना पहले ही तय कि और शिक्षकों के आगे के आवश्यक निर्देशों के लिए स्थानीय प्रदान शिक्षा निर्देशक और ए.डी.ई.आई को दे दी गई | बी आर सी ने सी आई आई के अधिकारियों के साथ उस स्थल पर काम समन्वित किया |

शिक्षकों ने जो योजना कार्य किया उसका मुल्यांकन पुरस्कार श्रेणी व्दारा किया गया (१0 अंक देने के बाद)| शिक्षकों के प्रदर्शन को संकलित कर उनका विश्लेषण सी.आई .आई व्दारा किया जाएगा | शिक्षकों के पाठ का निरीक्षण ब्लॉक के.बी.आर.सी.सी / बी.आर.पी / सी. आर. पी व्दारा किया गया और क्यू.एम.टी . के माध्यम से कक्षा अवलोकन अनूसूची के संदर्भ में आवश्यक प्रतिक्रिया प्रदान किया गया |

निम्नलिखित मुद्दोका निरीक्षण

- मुल्यांकन केवल मराठी माध्यमिक सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के तीसरी और चतुर्थ कक्षा के छात्रों के लिए था |
- इस जी . पी . एस . के सभी शिक्षकों की बैठक आयोजित की गई थी ताकी परियोजना के महत्व के बारे में सुचित किया जाए जिसका उद्देश था शहरी वंचित बच्चें का सुधार |
- मूल्यांकन परिक्षा आयोजित करने की जिम्मेदारी सी . आर . पी . /बी . आर . पी . /पैरा शिक्षक को दिया गया था | मुल्यांकन परिक्षा के प्रत्येक पर्यवेक्षण का काम बाहरी पर्यवेक्षक के रूप में सी . आर . पी . /बी आर पी / पैराटीचर / पार्ट टाईम प्रशिक्षक द्वारा किया गया था |

  दो उपलब्धी परिक्षाऍं मराठी माध्यम के कक्षा तृतीय और चतुर्य को विषय ई . वि . एस . ,गणित और अंग्रेजी में दी जाएगी | इसलिए कुल मिलाकर ६ प्रश्नपत्रिकाए होगी | प्रश्नपत्रिका की संख्या होगी : कक्षा तृतीय (१८00+१८00+१८00) और कक्षा चतुर्थ (१८00+१८00+१८00) कुल प्रश्नपत्रिकाए १0८00 होंगी |

  डॉ . जी . सी . प्रधान,एस . सी . ई . आर टी . को मूल्यांकन परीक्षण उपकरण तैयार करने के लिए संसाधन व्यक्ति/विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया था | उन्होने परिणामों का विश्लेषण ओर रिपोर्ट भी तैयार की |

  प्रश्नपत्रों की छपाई,प्रश्नपत्रों का वितरण और आदि परीक्षकों की नियुक्ति सहित सभी प्रशासनिक कार्य जी . एस . ए . स्तर पर किया गया था | परियोजना के साथ जुड़ें सभी खर्चो को परियोजना के बजटीय प्रावधानों से राज्य परियोजना कार्यालय के तरफ से दिए गए थे |

क्र	प्रधान व्यय	भौतिक	दर	कुल दिन	कुल
१	सी . आई . आई . ए . डी . ई आई, बी . आर . सी . सी सी आर पी आदि के अधिकारीयों के साथ मासिक योजना और चर्चा के लिए सभी प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षिकाओं की मासिक बैठक	दोपहर का भोजन और जलपान का खर्च (कुल शिक्षक = १२८,@ १00 रूपये बैठक ८)	१२८	१00	८	१0२४00
२	उपलब्धि परिक्षण के लिए तीन विषयों में ई . वी . एस,गणित,अंग्रेजी) पत्रिकाऍं तैयार	प्रश्न पत्रिका संस्थापक आदि के लिए परिक्षमिक, दोपहर का भोजन और जलपान का खर्च		९	६00	५	२७00
३	उपलब्धि परिक्षण के लिए तीन विषयों में ई		१	७00	१५	१0५00

	.वी .एस,गणित,अंग्रेजी) पत्रिकाएँ तैयार | विशेषत प्रश्न पत्रिका संस्थापक आदि के लिए परिक्षमिक, दोपहर का भोजन और जलपान का खर्च |				
४	उपलब्धि परिक्षण के लिए तीन विषयों में ई .वी .एस,गणित,अंग्रेजी) पत्रिकाएँ तैयार | अचल खरीदारी का व्यय और अन्य विविध व्यय	१	५000		५000
५	प्रश्नपत्रिका का मुद्रण	१0८00	१0		१0८000
६	विद्यालयों के लिए प्रश्न पत्रिकाओं की आपूर्ती (तिसवाडी बारदेस बिचोलिम)=४५ X ३ = १३५ पाठशालाएँ |	१३५	२५		३३७५
७	मूल्यांकन परिक्षा का प्रबंध पर्यवेक्षकों समुह को परिक्षा का प्रबंध करनें के लीए परिश्रमिक इत्यादि (१३५× २)=२७0 कक्षाएँ	२७0	१00		२७000
८	उत्तर पत्रिका का मुल्यांकन	१0८00	५		५४000
९	जानकारी प्राप्त करना (पहली और दुसरी परिक्षा)	१0८00	४		४३२00
१0	विश्लेषण और रिपौर्ट (२ बार)	६	८000		४८000
११	दुसरी मुल्यांकन परिक्षा का कुल व्यय				१८0८७५
	कुल व्यय				५८५0५0

तिसवाडी भाग के बी .आर .सी .सी . ने सभी तिसवाडी भाग के सरकारी प्राथमिक शिक्षकों की योजना और चर्चा के लिए सी .आई .आई .ए .डी .ई .आई .बि .आर .सी .सी .और सी .आर .पी .आदि के अधिकारियों के साथ जो मासिक योजना की बैठक हुई उसके व्यय का विवरण रिपोर्ट दिया \|

सितंम्बर २0१३ से लेकर मार्च २0१४ तक कुल मिलाकर ७ मासिक बैठक हुई जिसमें ५५0 शिक्षिकाएँ उपस्थित थी \| जलपान दोपहर का भोजन और अन्य विविध वस्तुओं का कुल व्यय रूपये ५२७७0 था \|

कक्षा तृतीय और चतुर्थ के छात्रों में आधारभूत जानकारी उत्पन्न करने के लिए दुसरी उपलब्धी परिक्षण की योजना ११ और १२ जूलाई २0१४ को की गयी \| तिसवाडी भाग के ३९ सरकारी प्राथमिक विद्यालयों और २0 बारदेस और बिचोलिम के प्रत्येक २0 विद्यालयों में परिक्षण की योजना की गई \| इस परिक्षण के परिणामों का विश्लेषण करने पर उपयुक्त कार्य पत्र को दिन प्रतिदिन शिक्षण और प्रशिक्षण में लागू करने के लिए तैयार किया जाएगा \| छात्रों के सुधार के स्थर को जॉचने के लिए मध्य रेखा और अंतिम उपलब्धी परिक्षण मार्च २0१५ में आयोजित किया जाएगा \|

तृतिय कक्षा के लिए अंग्रजी और गणित विषयों की प्रश्न पत्रिकाएँ स्थापित संयमित और मुद्रित किए गए \| २३ जुन २0१४ को परिक्षण पुरा किया गया था \| सरकारी प्राथमिक विद्यालय तिसवाडी बार्देज और बिचोलिम के छात्रों के लिए परिक्षण एक साथ प्रशासित किया गया था \|

आधारभूत परिक्षण की योजना तिसवाडी भाग और बिचोलिम भाग के जी.पी.एस. छात्रों के लिए बनाई गयी थी | तृतीय और चतुर्थ कक्षा का श्रेणी के अनुसार परिक्षण निम्नलिखित हैं |

			तिसवाडी		बिचोलिम		बारदेस	
कक्षा	विषय	गुणवत्ता	कुल	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत
		गुणवत्ता						
III	गणित	ए	१	0	१३	३	६	२
		बी	३१	१0	६२	१६	४६	१३
		सी	६२	२१	१0९	२९	७३	२१
		डी	१0७	३६	९८	२६	९0	२६
		ई	९५	३२	९६	२५	१३१	३८
		कुल	२९६	१00	३७८	१00	३८६	१00
	अंग्रजी	ए	१८	६	७	२	१२	३
		बी	४९	१७	७५	२0	३९	११
		सी	१२२	४२	१६९	४५	११६	३४
		डी	७२	२५	९५	२५	१२२	३५
		ई	२८	१0	३३	९	५७	१६
		कुल	२८९	१00	३७९	५७	३४६	१00
	ईवीएस	ए	५८	२0	६0	१६	३७	११
		बी	७९	२७	९४	२५	७१	२१
		सी	८१	२७	११२	३0	६४	१९
		डी	५५	१९	६८	१८	८१	२३
		ई	२३	८	४४	१२	९२	२७
		कुल	२९६	१00	३७८	१00	३४५	१00

			तिसवाडी		बिचोलिम		बारदेस	
कक्षा	विषय	गुणवत्ता	कुल	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत
		गुणवत्ता						
IV	गणित	ए	९	३	८	२	४	१
		बी	३३	१0	६६	१५	४२	११
		सी	७६	२४	१0२	२३	८0	२१
		डी	९९	३१	१५४	३५	१0१	२७
		ई	१0३	३२	११५	२६	१४६	३९
		कुल	३२0	१00	४४५	१00	३७३	१00
	अंग्रजी	ए	२७	८	१८	४	९	२
		बी	४८	१५	५४	१२	२९	८

	ग्र जी	सी डी ई कुल	१२८ ६४ ५१ ३१८	४0 २0 १६ १00	११५ १४९ १0९ ४४५	२६ ३३ २४ १00	८२ १३६ ११४ ३७0	२२ ३७ ३१ १00
	ई वी एस	ए बी सी डी ई कुल	१५ ९२ १0२ ८१ २८ ३१८	५ २९ ३२ २५ ९ १00	७ १00 १८३ १0५ ५0 ४४५	२ २२ ४१ २४ ११ १00	२१ ७३ ९२ ११७ ६७ ३७0	६ २0 २५ ३२ १८ १00

अनुसंधान मूल्यांकन और निगरानी के तहत उपलब्धिया

अनुसंधान मूल्यांकन और निगरानी के तहत राज्य को ६.९७३ लाख का बजट राज्य स्थरिय उपलब्धी सर्वेक्षण करने के लिए स्विकृत हुआ है और एन.सी.ई.आर.टी. के अन्तर्गत भारत के सभी राज्योंमें यह लागु हुआ |

राज्य स्थरिय उपलब्धी सर्वेक्षण २०१३ १४ के रूप में गोवा में लागू

दलील शिक्षा का अधिकार अधिनियम २००९ के लागू होने के बाद १२ पम्च वर्षीय योजना का जोर शिक्षा के गुनवत्ता पर हैं | १२ वी पंचवर्षीय योजना के उद्देश को पाने के लिए छात्र के बिच सीखने कै प्रवृत्तियों का ज्ञान आवश्यक है |

उपयु२त उद्देश के दृष्टी से गोवा राज्य सरकार ने सांतवी कक्षा के छात्रों की उपलब्धीयों को मापने के लिए शिक्षार्थीउपलब्धी सर्वेक्षण का प्रबन्ध एन.ए.एस. के साथ मिलकर किया गया था जिसका प्रबन्ध एन.ए.एस. ने एन.सी.ई.आर.टी. के व्दारा किया गया था | सही राज्य के सरकारी विद्यालयों और सहायक विद्यालयों में प्रस्तावित किया गया था |

एस.एल.ए.एस के व्दारा रखा प्रस्ताव निम्नलिखित है

१. अंग्रजी गणित और सामाजिक विज्ञान के विषयों में सातवी कक्षा के बच्चो का शिक्षन स्थर को जॉचने के लिए |

२. सर्वेक्षण के परिणामों कि जिम्मेदारी और परिणाम स्वयं लेना |

३. संबधीत विषयोंमे सातवी कक्षा के सिखंन के परिणामोंके सवर्धन के लिए सुजाए गए उपयोंको शामिल करना |

४. लिंग स्थान शिक्षा का मध्यन्म विद्यालय प्रबंधन और अनुसूचित जाती अनुसुचित जनजाती और सामान्य श्रेणींयों जैसे सामाजिक श्रेणीयोम्के संबंध उपलब्धि स्तर में अंतर का अध्ययन करने के लिए |

५. एस.एल.ए.एस.के परिणामोंका उपयोग ए.डब्लू.पी.और बी. के आगामी वार्ष के प्रस्तावोंके लिए

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने रू.६९७३ लाख रूपयोंकी लागतसे मानक सातवीं के लिए राज्य में सिखने की उपलब्धी की मुल्यांकन करने के लिए गोवा के लिए राज्य विद्या उपलब्धि सर्वेक्षण के मंजूरी दे दी | एस.एल.ए.एस की योजना के लिए निम्नलिखित राज्य स्तरिय संचालन समिती का गठन किय गया और २ दिसंबर २०१३ के जी.एस.एस. ए की कार्यकारिणी समिती बैठक में मंजुरी दे दि गई | एल.एल.ए.एस.के प्रयोजन के लिए चुनाव आयोगने भी राज्य परिषद शैक्षिक अनुसंधान एवं परिक्षण एस.सी.ई.आर.टी को राज्य संस्थान के रूप मे अनुमोदित किया | संचालन समिती और राज्य संस्थान को १६ जनवरी २०१४ को गोवाा की सरकार के सरकारी राज्यपत्रमें अधिसुचित किया गया |

क्र.	सदस्य का नाम	सदस्य का विवरण	निर्दिष्ट भुमिका
१.	श्री.मीनानाथ टी.उपाध्ये	राज्य परियोजना निदेशक जी एस.एस.ए	अध्यक्ष
२.	श्री.नरेंद्र जे. कामत	राज्य अध्ययन समन्वयक,जी.एस.एस.ए	सचिव सदस्य
३.	श्रीमती.सिलिविया डीसोजा	शिक्षा साहायक निदेशक,जी.एस.एस.ए	सदस्य
४.	श्रीमती.वीलमा हेनटिकीज	गणित के शिक्षक/मॅई डॉस पोबरेस उच्च विद्यालय नुवें-गोवा की प्रधान अध्यापिका	सदस्य
५.	श्रीमती.जेनेसीस डी.सीलवा	अंग्रजी शिक्षक/आदर्शा वी.वी.उच्च विद्यालय मश्गाव गोवा की प्रधान अध्यापिका	सदस्य
६.	श्रीमती आन्तानेत नोरोन्हो	विज्ञान के शिक्षक/सेंट थोमस उच्च विद्यालय कनसाउलीम की प्रधान अध्यापिका	सदस्य
७.	श्री./श्रीमती संजीव धारवाडकर	सामाजिक विज्ञान(इतिहास)के शिक्षक /सरसवत विद्यालय उच्च विद्यालय मापुसा के प्रधान अध्यापक	सदस्य
८.	श्री.नरेश बोरकर	सामाजिक विज्ञान(भुगोल)के शिक्षक/शरधा अंग्रजी उच्च विद्यालय मारसेल फोंडा के प्रधान अध्यापक	सदस्य
९.	श्री.नागराज होन्नेकेरी	निदेशक,एस.सी.इ.आर.टी (आकादमिक प्राधिकारी के प्रतिनिधी)	सदस्य
१०.	डॉ.जी.सी.प्रधान	श्स.सी.ई.आर.टी (अनुसंधान और मुल्यांकन पर विशेषज्ञ)	सदस्य
११.	आर.आई.ई.के उम्मीदवार	आर.आई.ई.के प्रतिनिधी,भोपाल	सदस्य
१२.	डॉ.लुईस वेरनल	जी.वि.एम.महाविद्यालय फोंडा के पुर्व -प्रधानाचार्य (विश्वविद्यालय शिक्षा विभाग के प्रमुख)	सदस्य
१३.	श्री.जे.आर.खिल्लो	अध्यक्ष गोवा बोर्ड माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा (राज्य बोर्ड के प्रतिनिधी)	सदस्य
१४.	शिक्षा निदेशालय	शिक्षा निदेसक गोवा सरकार पोरवोरीम	सदस्य

दक्षिण गोवा जिला के क्षेत्र के जांचकार्ताओं को उनके एस.एल.ए.एस काम के लिए २२ अप्रेल २०१४ को मडगॉव में प्रशिक्षित किया गया और उत्तर गोवा के जांचकर्ताओंको २३ अप्रेल २०१४ को पोरवोरीम में प्रशिक्षित किया गया |

क्षेत्र जॉच के लिए पुतली प्रश्नावली, शिक्षक प्रश्नावली, विद्यालय प्रश्नावली को जी.एस.एस.ए के गुणवत्ता अनुभाग में डिजाईन किया गया था मंत्रालय के व्दारा दिए गए दिशा निर्देशोंके अनुसार और उन्हे मुद्रित कर क्षेत्र जाचंकर्ताओंको उपलब्ध कराया गया एस.एल.ए.एस के परिक्षण उपकरण के प्रबंध के लिए २८ और २९ अप्रैल २०१४ को | परिक्षण उपकरण (पश्नपत्रीकाएँ)४ विषयोंमें (गणित, विज्ञान, अंग्रेजी और सामाजिक विज्ञान) तैयार की गई डॉ जी.सी.प्रधान के मार्गदर्शन के तहत और लगभग १३६०० परिषण उपकरण मुद्रित किए गए गोवा के पुरे १२ भागों में परिक्षण के प्रशासण के लिए |

क्षेत्र जांच सफलतापूर्वक २८ अप्रैल २०१४ और २९ अप्रैल २०१४ को उत्तर गोवा के ५२ पाठशालाओं और दक्षिण गोंवा के ५० पाठशालाओं यानी कुलमिलाकर पुरे गोवा के १०२ पाठशालाओंमें किया गया |

सभी उपर्युक्त विषयों में छात्र प्रतिक्रियाओं की डाटा एंट्री ६: एम आई एस समन्वयकों की मदद से गोवा सर्व शिक्षा अभियान (जी.एस.एस.ए) की गुणवत्ता केंन्द्र (सेल) में १३/०४/२०१४ से शुरू किया जो लगभग ३ महिने के लिए चली | एस.सी.ई.आर.टी के ५१० जी.सी प्रधान ने अगस्त २०१५ मे डेटा का विश्लेषण किया है और सातवी कक्षा के छात्रों की उपलब्धि स्तर पर एक व्यापक रिपोर्ट लिखा था | डेटा विश्लेषण और निष्कर्ष के उपयुक्त ढॉचे के रूप मे प्रतिनिधित्व के साथ ए ४ आकार के लगभग ६०० पृष्ठों का मसौदा जो रिपोर्ट के रूप में तैयार है उसकी एक प्रति २२ दिसम्बर २०१४ को चुनाव आयोग के समश्र रेखा जाना प्रस्तावित हैं |

१. परियोजना के उद्देश्य

निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखकर परियोजन किया गया था |

१. गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में उत्तरी गोवा जिला, दक्षिण गोवा जिला और गोवा राज्य के कक्षा छात्रों के समग्र प्रदर्शन का अध्ययन करना |

२. चार विषयों मे से छात्रों के प्रदर्शन में भिन्नता का अध्ययन करना, यदि हो तो (अ) पुरूष और महिला छात्र (आ) अलग - अलग जातियों एवं श्रेणियों के छात्र (इ) धर- पर अलग-अलग जातियों एवं श्रेणियों के छात्र (उ) बी.पी.एल और ए.पी.एल परिवारों से संबंधित छात्र (ए) शारिरिक और शारीरीक रूप से सामान्य छात्र |

३. गोवा से कक्षा सातवी के छात्र क्या अंग्रेजी जानते है, और क्या वह अंग्रेजी, गणित विज्ञान में क्या कर सकते है यह जानना |

४. छात्रों की वार्षिक प्राप्ति एवं विभिन्न विषय से संबंधित उनके प्रभाव एवं प्रभाव का अध्ययन करना |

५. छात्रों के वार्षिक शैक्षिक प्रदर्शन एवं शिक्षकों से संबंधित प्रभाव एवं प्रभाव का अध्ययन करना |

६. विभिन्न स्कूलों से संबंधित छात्रों के वार्षिक शैक्षिक प्रदर्शन का प्रभाव एवं प्रभाव का अध्ययन करना |

२. क्रियाविधि

१. **डाटा संग्रह उपकरण :** निम्न उपकरण आवश्यक डाटा इकट्ठा करने और इस्तेमाल करने के लिए तैयार किया है |

- अंग्रेजी, गणित , विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में उपलब्धि परीक्षण
- छात्रों, शिक्षकों और प्राध्यापकों के लिए प्रश्नावली

२. **नमूना :** राज्य के दोनों जिलों के १०२ स्कूलों , ४०५ शिक्षकों और २२९३ छात्रों का अंतिम नमूना डेटा शामिल किया गया |

३. **डेटा संग्रह :** उपरोक्त उल्लेख के आधार पर प्रशासन द्वारा डाटा संग्रह उपकरण एकत्रित किए गए थे |

४. **डेटा विश्लेषण के तरीके / तकनीक :** निम्नलिखित तकनीक के आधार पर डाटा का विश्लेषण किया गया है |

- प्रतिशत विश्लेषण
- एक तरह से एनोवा
- टी - परीक्षण
- प्रतिगमन विश्लेषण

३. मुख्य खोज और निष्कर्ष :

क) विभिन्न विषयों में शैक्षिक प्राप्ति

अ) अंग्रेजी भाषा

१. गोवा राज्य के दोनों जिलों से अंग्रजी भाषा में कक्षा सातवी के छात्रों का प्रदर्शन औसत से नीचे है |

२. दक्षिण गोवा जिले में स्थित स्कूलों में पढ रहे छात्र, उत्तरी गोवा जिले के समकक्षों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करते है |

३. अंग्रेजी भाषा के शैक्षिक प्राप्ति में लडकों और लडकियों में काफी अलगाव नहीं है |

४. अंग्रजी भाषा में कक्षा सातवी के अनुसूचित जाति के छात्रों ने अनुसूचित जनजाति, अन्यपिछडावर्ग और सामान्यजाति तथा श्रेणियों के छात्रों की तुलना में काफी कम अंक प्राप्त किए है |

५. छात्रों की भाषा पृष्ठभूमि अंग्रेजी भाषा के प्रदर्शन में बाधा उत्पन्न करती है | धरपर अन्य भाषा का प्रयोग करनेवाले छात्रों की तुलना में धरपर अंग्रेजी भाषा का प्रयोग करनेवाले छात्र अधिक अंक प्राप्त करते हैं |

६. शहरी क्षेत्रों में स्थित सूलों में पढ़ रहे छात्र , ग्रामीण स्कूलों में पढनेवाले छात्रों से अंग्रेजी भाषा में काफी अच्छा प्रदर्शन करते हैं |

७. ए.बी.एल परिवारों की तुलना में बी.पी.एएल परिवारों से आने वाले छात्रों का अंग्रेजी में काफी कम स्कोर रहा है |

८. जो छात्र निजी शिक्षण कक्षाओं में जाते है और जो छात्र नही जाते दोनों ही अंग्रेजी भाषा में समान प्रदर्शन करते हैं |

९. अंग्रेजी भाषा में शारिरिक रूप से सामान्य रूप छात्रों की तुलना में शारिरिक रूप से विकलांग छात्र काफी कम अंक प्राप्त करते हैं |

आ) गणित

१. गोवा राज्य के कक्षा सातवी के छात्र गणित में कम प्रदर्शन दिखा रहे हैं |

२. उत्तरी गोवा जिले और उनके समकक्षों की तुलना में दक्षिण गोवा जिले में स्थित स्कूलों में पढ रहे छात्र गणित में बेहतर प्रदर्शन करते हैं |

३. लडकों और लडकियों के गणित में शैक्षिक प्राप्ति में काफी अलगाव नहीं है |

४. छात्रों की भाषापृष्ठभूमि गणित में छात्रों के प्रदर्शन को प्रभावित करता है | धरपर अंग्रेजी भाषा का प्रयोग करनेवाले छात्र अन्य भाषाओं को बोलनेवाले छात्रों की तुलना में गणित में अधिक अंक प्राप्त करते है | धर पर उर्दु भाषा बोलेनवाले छात्र हिन्दी भाषा बोलनेवाले छात्रों की तुलना में गणित में बेहतर प्रदर्शन करते हैं | हिन्दी , कन्नड और मराठी भाषा की पृष्ठभूमि से संबंधित छात्रों की तुलना में कोंकाणी बोलने वाले छात्रों का प्रदर्शन बेहतर रहा हैं |

५. सातवी कक्षा के अनुसूचित जाति के छात्रों ने अन्य जाती के श्रेणियों की तुलना में गणित में काफी अधिक रन बनाए हैं | लेकिन , अनुसूचित जाति के छात्र, अनुसूचित जनजाति, अन्यपिछाडवर्ग और सामान्यजाति / श्रेणियों के छात्रों की तुलना में गणित में कम प्रदर्शन दिखा रहें है |

६. शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित स्कूलों में पढ रहे छात्रों के गणित के प्रदर्शन में अधिक अलगाव नहीं हैं |

७. बी.पी.एल परिवारों से आनेवाले छात्र ए.पी.एल परिवारो से उनके समकक्षों की तुलना में गणित काफी कामस्कोर करते है |

८. निजी शिक्षण कक्षाओं में भाग लेने वाले छात्र अन्य छात्रों की तुलना में गणित में अधिक अंक प्राप्त करते है |

९. शारिरिक रूप से स्वस्थ छात्रों की तुलना में शारिरिक रूप से विकलांग छात्र गणित में काफी कामजोर हैं |

इ) विज्ञान

१. गोवा राज्य और दोनों जिलों में कक्षा सातवी के छात्रों का विज्ञान में प्रदर्शन औसत से निचे है |

२. उत्तरी गोवा जिले और उसके समकक्षों की तुलना में दक्षिण गोवा जिले में स्थित स्कूलों में पढ रहे छात्र विज्ञान के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करते हैं |

३. विज्ञान के क्षेत्र में लडकों और लडकियों का शैक्षिक अंक प्राप्ति में अधिक अलगाव नहीं हैं |

४. अनुसूचित जनजाति के अंतर्गत आनेवाले अनुसूवित जनजाति अन्य पिछडावर्ग और सामान्यजाति तथा श्रेणिंयों के सातवी कक्षा के छात्रों का विज्ञान के प्रदर्शन में अधिक अलगाव नही है |

५. छात्रों की भाषा पृष्ठभूमि विज्ञान में उनके प्रदर्शन में बाधा उत्पन्न करती है | धर पर अंग्रेजी भाषा बोलने वाले छात्र अन्य भाषा बोलनेवाले छात्रों की तुलना में अधिक अंक प्राप्त करते हैं | मराठी, हिन्दी और कन्नड भाषा बोलने वाले छात्रों की तुलना में कोंकणी भाषा बोलनेवाले छात्र विज्ञान में बेहतर प्रदर्शन

करते हैं | धर- पर हिन्दी और कोंकणी भाषा में बोलने वाले छात्रों की तुलना में उर्दु पृष्ठभूमि से आने वाले छात्र विज्ञान में अधिक अंक प्राप्त करते हैं |

६. ग्रामीण स्कूलों के छात्रों की तुलना में विज्ञान के क्षेत्र में शहरी क्षेत्रों में स्थित स्कूलों में पढ रहे छात्र काफी अधिक अंक प्राप्त करते हैं |

७. ए.पी.एल परिवारों और उनके समकक्षों की तुलना में बी.पी.एल परिवारों से आनेवाले छात्रों का विज्ञान के क्षेत्र में काफी कम प्रदर्शन करते हैं |

८. निजी टयुशन न लेने वाले छात्र टयुशन लेने वाले छात्रों से काफी कम अंक प्राप्त करते हैं |

९. शारिरिक रूप से विकलांग छात्र शारिरिक रूप से सामान्य छात्रों की तुलना में विज्ञान के क्षेत्रों में काफी कम स्कोर करते हैं |

ई) सामाजिक विज्ञान

१. गोवा राज्य के साथ ही साथ दोनों जिलों के सातवी कक्षा के छात्र सामाजिक विज्ञान में कम प्रदर्शन दिखाते हैं |

२. उत्तरी गोवा के समकक्षों की तुलना में दक्षिण गोवा जिलें में स्थित स्कूलों में पढ रहे छात्र सामाजिक विज्ञान में बेहतर प्रदर्शन करते है |

३. लडके और लडकियॉ सामाजिक विज्ञान में बराबर का प्रदर्शन दिखा रहे हैं |

४. सामाजिक विज्ञान अनुसूचित जाति के अंतर्गत अनुसूचित जन - जाति, अन्यपिछडावर्ग और सामान्यजाती / श्रेणियों छात्रों के प्रदर्शन में अधिक अलगाव नहीं हैं |

५. छात्रों की भाषा पृष्ठभूमि सामाजिक विज्ञान में बाधा उत्पन्न करता हैं | घर- पर अन्य भाषा बोलनेवाले छात्रों की तुलना में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग करनेवाले छात्र सामाजिक विज्ञान में काफी अच्छा प्रदर्शन करते हैं | कोंकणी भाषा के पृष्ठभूमि से आने वाले छात्र सामाजिक विज्ञान में हिन्दी , कनडा और मराठी भाषा बोलने वाले छात्रों से अधिक अंक प्राप्त करते है |

६. शहरी क्षेत्रों में स्थित स्कूलों में पढ रहे छात्र ग्रामीण स्कूलों में पढ रहे छात्रों की तुलना में सामाजिक विज्ञान में काफी अच्छा प्रदर्शन दिखा रहे हैं

७. बी.पी.एल परिवारों से आनेवाले छात्र ए.पी.एल परिवारों और उनके समकक्षों की तुलना में सामाजिक विज्ञान में काफी कम स्कोर करते हैं |

८. निजी शिक्षण कक्षाओं में भाग लेने वाले छात्र निजी कक्षाओं में न जानेवाले छात्रों से काफी कम प्रदर्शन दिखा रहे हैं |

९. शारिरिक रूप सैं स्वस्थ छात्रों की तुलना में शारिरिक रूप से विकलांग छात्र काफी अंक प्राप्त करते हैं |

ख) छात्रों के क्या पता है और वह अलग- अलग विषयों में क्या कर सकते हैं |

अ) अंग्रेजी भाषा

१. कक्षा सातवी के ४ /५ छात्र तथ्यात्मक जानकारी को याद करने में सक्षम हैं |

२. लगभग दो - तिहाई छात्र पाठ के कारण एवं प्रभाव को ढुँढने में सफल रहे हैं

३ . लगभग आधे छात्र कारवाई के पीछे का कारण पहचान सकते है |
४ . कक्षा सातवी के साठ प्रतिशत छात्र सही ढंग से भूतकाल की क्रिया का प्रयोग कर सकते है |
५ . केवल छियालीस प्रतिशत छात्रों को ' Niser' कॅजूस शब्द का अर्थ पता हैं |
६ . केवल आधे छात्र ही प्रत्यक्ष भाषण को अप्रत्यक्ष भाषण में बदलने में सक्षम हैं |
७ . कक्षा सातवी के केवल सत्ताईस प्रतिशत छात्रों को अधिकरण का सही उपयोग करना आता हैं |
८ . कक्षा सातवी के केवल उन्तीस प्रतिशत छात्र निष्क्रिय आवाज को सक्रिय आवाज में बदलने में सक्षम हैं |
९ . आधे छात्र वाक्यांशो का अर्थ समझ सकते हैं |
१० . पॉच छात्रों मे से केवल एक छात्र दिए गए पाठ मे से निष्कर्ष निकाल सकता हैं |
११ . आधे से भी कम छात्र दिए गए निष्कर्ष का मूल्यांकन कर सकते हैं |
१२ . सातवी कक्षा के केवल तेईस प्रतिशत छात्र मुख्य विषय तथा केंद्रिय विचार की पहचान करने में समक्ष हैं |

आ) गणित

१ . कक्षा सातवी के ३/५ छात्रों को ७ के जोड का उलट पता है |
२ . आधे से भी कम छात्र अंक का पता लगा सकते है जो ५० है अर्थात कुल का २०‰ .
३ . केवल उन्तीस प्रतिशत छात्र १८ और २४ के एची का पता लगा सकते है |
४ . पॉच मे से केवल एक छात्र $\frac{2}{3}$ का समकक्ष अंश पा सकते है |
५ . लगभग आधे छात्र लाभ - हानि से जुडी समस्या को हल कर सकते है |
६ . छियालिस प्रतिशत छात्र ४०० रूपये कमाने के लिए बैंक में दो साल के लिए ५ ‰ की एक साधारण व्याज के रूप में जरूरत राशि पता कर सकते हैं |
७ . राज्य के कक्षा सातवी के केवल एक प्रतिशत छात्रों को पता है कि एक जोडी का एक कोण दो टूक करने के लिए प्रयोग किया जाता हैं |
८ . साठ प्रतिशत छात्र चतुर्भुज का फॉर्मूला जानते है तथा याद रख सके हैं |
९ . केवल सोलह प्रतिशत छात्रों ने समद्वि बाहुकोण के गुणों को समझ लिया हैं |
१० . केवल एक - चौथाई छात्र सहि ढंग से ए .एस .ए . के अनुरूप नियम लागू करने में सक्षम है |
११ . कक्षा सातवी में गोवा के १० छात्रों मे से केवल एक छात्र व्यावहारिक स्थिती में समस्यांओं की जगह और आयात की परिधी का फार्मुला हल करनेमें सक्षम है |
१२ . कक्षा सातवी से राज्य के केवल सत्ताईस प्रतिशत छात्र अभिव्यक्ति में गुणांक की पहचान कर सकते है |
१३ . तिरपन प्रतिशत छात्र बयान को सक्षमिकरण में बदल सकतें हैं |
१४ . कक्षा सातवी से गोवा के छात्रों के केवल आधे छात्र साधारण समीकरण को एक नई स्थिती मे लागू कर सकते हैं |
१५ . तीस प्रतिशत छात्र व्यवहारीक स्थिती में एक समस्या को हल करने के लिए आलजेब्रीक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते है |

इ) विज्ञान

१. राज्य के कक्षा सातवी के लगभग सभी छात्रों को याद है कि 'विश्व जल दिवस' २२ मार्च को मंनाया जाता हैं |

२. साठ प्रतिशत छात्र याद रखते हुए कह सकते हैं कि ' फ्युज का प्रयोग बिजली के सर्किट और संभवित आग से होनेवाले नुकसान को रोकने के लिए किया जाता हैं|

३. सातवी कक्षा के लगभग २/५ छात्र मानव शरीर के सामान्य तापमान को नही याद रख सकते है और नही कह सकते हैं |

४. हर तीन छात्रों मे से केवल एक छात्र बता सकता हैं कि पेचिश पानी जनित रोग है|

५. दो-तिहाई छात्र पत्तियों कि भोजन कारखानो के संयत्र कहने का कारण दे सकते हैं |

६. केवल एक-चौथाई छात्र दुरी समय ग्राफ कि व्याख्या कर सकते हैं |

७. केवल तैतालिस प्रतिशत छात्र बलुई मिट्टी पौधों को उगाने के लिए क्यों अच्छी है, इसका कारण दे सकते हैं |

८. केवल दो- तिहाई छात्र यह बता नही सकते कि डिटर्जेंट लाल लिटमस का रंग बदल सकता है पर निले लिटमस का रंग क्यों नही बदल सकता |

९. कक्षा सातवी के छात्रों में से एक - तिहाई छात्र यह नही कह सकते कि समय कि वुनयादी इकाई 'दुसरा' का कहना है |

१0. कक्षा सातवी के केवल आधे छात्र ही प्रस्ताव के प्रकार के एक स्विंग की पहचान कर सकते है |

११. चार छात्रों में से केवल एक छात्र ही पानी के सतह की कमी का कारण बता सकते है |

१२. केवल तीस प्रतिशत छात्र गमी—के हस्तांतरण के सिध्दांत की व्याख्या कर सकते है |

१३. केवल ४३ प्रतिशत छात्र सही ढंग से ४0 सेकंद मे २0 दीलनों को पूरा करने के लिए एक सरल पेंडुलम की समय अवधि की गणना कर सकते हैं |

१४. करीब ३/५ छात्र गर्मी के नई स्थिती मे हस्तांतरण के सिध्दान्तो को लागू नही कर सकते |

१५. मुश्किल से गोवा सोलह प्रतिशत छात्र, वस्तू को मुलस्थान से दूर ले जाने पर वस्तु और अपनी छवि के बीच की दूरी तय कर सकते हैं |

ई) इतिहास

१. केवल तीस प्रतिशत छात्र कह सकते है कि बाबर ने लोदी हरा कर दिल्ली पर कब्जा कर लिया था |

२. केवल १/५ छात्र बता सकते है कि सुरत को मक्का का गेट वे कहा जाता है |

३. २/५ से भी कम छात्र मध्य भाग मे फैली जाने वाली जन - जतियों के नाम बता सकते हैं |

४. केवल छब्बीस प्रतिशत कह सकते है कि बसावना में विराशैवा आंदोलन शुरू हुआ था |

५. केवल उन्तीस प्रतिशत छात्र उस साल को पहचान सकतें हैं जब पृथ्विराज तृतीय ने मोहम्मद गोरी को हराया था |

६. चालीस प्रतिशत छात्र संभाजी ने तिसवाडी पीछे का कारण दे सकते हैं| pj 44 poi5th

७. केवल उन्तीस प्रतिशत छात्र यह स्पष्ट कर सकते है कि औरंगजेब ने विद्रोह का सामना क्यों किया ?

८. केवल अठ्राह प्रतिशत छात्र सुल्तानों की आलोचना करने के पीछे का कारण बता सकते हैं |

उ) सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन

१. कक्षा सातवी के तीन चौथाई छात्र यह बता सकते है कि वयस्त मताधिकार समानता पर आधारित हैं |

२. राज्य के चवालसि प्रतिशत छात्र राज्य विधान सभा के बहुमत राजनितिक दल का मतलब बता सकते हैं |

३. केवल अटठाईस प्रतिशत छात्र उस वर्ष की पहचान कर सकते है जिसमे महिलाओं को शारिरिक एवं मानसिक हिंसा से संरक्षण प्रदान करने के लिए पारित किया गया था |

४. गोवा के केवल तेंतालीस प्रतिशत छात्र, एक संगठन में तीस या उससे अधिक महिला कर्मचारी करने के पीछे का कारण बता सकते है |

५. गोवा के केवल एक तिहाई छात्र बता सकते हैं कि भारतिय मिडिया संतुलित विचार देने में क्यों विफल रहता हैं |

६. पॉच छात्रों में से केवल एक छात्र को भारत के संविधान को जिवित दस्तावेज कहने के पीछे का कारण पता है |

भूगोल

१. बयासी प्रतिशत छात्र इस बात को जान सकते है कि चक्र, गैर प्रदूषण कारी वाहन है |

२. लगभग २/५ छात्र यह पहचान नहीं पाते कि परिवहन एक सबसे महंगा साधन है |

३. लगभग ३/५ छात्र पृथ्वि की सबसे पतली परत का नाम नही बता सकते |

४. केवल एक - तिहाई छात्र पर्णपाती जंगल में पाये जानेवाले जानवरों का नाम बता सकते हैं |

५. चौसठ प्रतिशत छात्र पेरिस में खादय प्रसंस्करण उद्योगी कि स्थापना करने का कारण बता सकते हैं |

६. केवल एक - तिहाई छात्र भुकंप आंदोलन शुरू हुई जगह का नाम बता सकते हैं |

७. सातवी कक्षा के छात्रो में केवल आधे छात्र ही हवा में कार्बन डायऑक्साईड की मात्रा के प्रभाव को स्पष्ट करने में सक्षम हैं |

८. कक्षा सातवी केवल आधे छात्र ही यह बता सकते है कि संगमरमर का गठन कैसे किया गया है |

९. दो - तिहाई छात्र व्यवहारिक स्थिति में उच्च - उचाई के ज्ञान का उपयोग कर सकते है |

१०. दो - तिहाई छात्र वितरिका में नदियों के टूटने के पीछे के कारण बता सकते हैं |

११. केवल एक चौथाई छात्र ही शुक्ल मौसम में का कारण बता सकते हैं |

१२. सैंतालीस प्रतिशत छात्र pg 45 12th point

१३. लगभग आधे छात्र समुद्र के पानी के आंदोलन को देखकर सही निर्णय ले सकते हैं |

ग) छात्र संबंधित चर और शैक्षिक प्राप्ति

१. गोवा में कक्षा सातवी में पढ रहे छात्रों में लडकों और लडकियों का प्रतिशत लगभग बराबर है |

२. गोवा में कक्षा सातवी प्रतिशत छात्रों का नामांकन अनुसूचित जाति में , २०.९ प्रतिशत अनुसूचित जनजाति, २१.३ प्रतिशत अन्य पिछाडवर्ग और ५६.३ प्रतिशत सामान्य श्रेणी के है | उत्तरी गोवा जिले की तुलना में दक्षिण गोवा जिले के अनुसूचित जनजाति के छात्रों का प्रतिशत अधिक है | अन्य पिछावडवर्ग के नामांकन देखते हुए यह रिवर्स सच है | दोनों जिलों में अन्य श्रेणियों के छात्रों को लगभग समान रूप से नामाकित किया गया है |

३. कक्षा सातवी के ज्यादातर छात्र कोंकणी पृष्ठभूमी से है | छात्रों की पार्याप्त प्रतिशत मराठी और हिन्दी भाषी पृष्ठभूमि से है |नगण्य प्रतिशत छात्र घर पर कन्नड, अंग्रेजी और उर्दु भाषाएँ बोलते है | दोने जलो में छात्रों की केवल भाषा पृष्ठभूमि से संबंधित मतभेद है |

४. लगभग, सातवी कक्षा के आधे छात्रों को या तो एक भाई या कोई भाई नही है | और लगभग एक तिहाई छात्रों को दो भाई - बहन है | दक्षिण गोवा और उत्तरी गोवा के ज्यादातर छात्र छोटे परिवारों से है |

५. कक्षा सातवी के छोटे प्रतिशत छात्रों ने (दो प्रतिशत) दोनों जिलों को शारिरिक चुनौती दी है |

६. अधिकांश छात्रों के माता - पिता माध्यमिक या उच्च माध्यमिक तक पढे है | एक छोटा प्रतिशत माता - पिता ने स्नातक की उपाधी प्राप्त की है | लेकिन कक्षा सातवी के काफी प्रतिशत छात्रों के प्रतिशत छात्रों के माता -पिता अशिक्षित हैं | उत्तरी गोवा और दक्षिणी गोवा जिलों में छात्रों के माता - पिता शैक्षिक योग्यता को लेकर कोई खास फर्क नहीं है |

७. राज्य के कक्षा सातवी में पढने वाले १/५ छात्र बी.पी.एल परिवारों से है | दक्षिण गोवा की तुलना में उत्तरी गोवा के अधिक प्रतिशत छात्र बी.पी.एल परिवारों से संबंधित है |

८. अधिकतर छात्रों के पास कैलकुलेटर, अध्ययन डेस्क और शब्दकोश है | २/५ से भी अधिक छात्रों के घर में संगणक एव समाचार पत्र है | केवल १/५ छात्रों के घर में इंटरनेट एवं पत्रिकाओं की उपलब्धि है |

९. अधिकतर छात्रों के पास १-१० पुस्तके धर पर है | लगभग ४/५ छात्रों के पास पाठयपुस्तकों के अतिरिक्त अन्य पुस्तकें हैं |

१०. लगभग आधै छात्र स्कूल बस से स्कूल में जाते है और एक तिहाई छात्र चलकर स्कूल जाते है | साधारण (१० प्रतिशत) छात्र अपने खुद के गाडी से (माता - पिता / अभिनावक) स्कूल जाते हैं |

११. अधिक प्रतिशत छात्रों को पढाई में अपने भाई - बहनों से मदत मिलती है | लगभग १/५ छात्रों को अध्ययन में अपने माता -पिताके व्दारा या टयूटर्स के व्दारा मदत मिलती हैं | और अठारह प्रतिशत छात्रों की किसी भी व्यक्ति से मदत नहीं मिलती |

१२. अधिकतर परिवारों के सदस्य छात्रों के गृहपाठ की जॉच करते हैं | पर एक -चौथाई छात्रों का गृहपाठ नहीं जॉचता |

१३. खक्षा सातवी के केवल १/५ छात्र निजी शिक्षण कक्षाओं मे जाते है |

१४. चोरी जैसी अप्रिय घटनाएँ , दुसरों के व्दारा अपमानित होना , इच्छा के खिलाफ काम करने के लिए दबाव डालना , अन्य छात्रों व्दारा मारना, अन्य गतिविधियों से बाहर निकालना , जैसे घटनाएँ बडी संख्या में राज्य के दोनों जिलों के छात्रों के साथ होती है |

१५. ज्यादातर छात्र पूरे वर्ष में पॉच से भी कम दिन स्कूल में अनुउपस्थित रहते हैं | नगण्य प्रतिशत छात्र १५ से भी दिन अनुपस्थित रहते हैं |,

१६. ज्यादातर छात्र स्कूल में हफ्ते में केवल एक बार संगणक का उपयोग करते हैं | उत्तरी गोवा के स्कूलों के छात्र दक्षिण गोवा के छात्रों की तुलना में संगणक का अधिक उपयोग करते है |

१७. ज्यादातर छात्र हफ्ते में एक बार वाचनालय से किताबे लाते है |

१८. जैसे कि सवालों के जवाब गृहपाठ की किताब में लिखना जो पढा गया है उसे लिखना , जोर से सवाल का जवाब देना , अन्य छात्रों के साथ बातचीत करना ऐसी गतिविधियॉ भाषावर्ग में कुछ पढने के बाद कभी - कभी आयोजित कि जाती है |

१९. गणित के वर्ग में किसी चीज का या वस्तु का माप लेना चार्ट बनाने और आकार बनाने के लिए सिखना गणित को याद रखना , छोटे-छोटे समूहों में काम करना,उत्तर स्पष्ट करना और गणित को सुलझाने वाली गतिविधियॉ कक्षा में कभी-कभी ली जाती है|

२०. विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में जैसे परिवर्तन को देखना , शिक्षक को प्रयोग करते हुए देखना, स्वयं प्रयोग करना, अन्य छात्रों के साथ काम करना, पाठ याद रखना, स्पष्टिकरण देना, स्वतंत्र रूप से समस्याओं पर काम करना और संगणक का उपयोग आदि ऐसी गतिविधियॉ कभी कभी आयोजित की जाती है |

२१. ज्यादातर छात्र हास्य किताबें पढते है , कहानीयॉ , उपन्यास , समाचार पत्र, दिशाओं और निर्देश पर आधारित बहुत से ऐसी सामग्री की नही पढते |

२२. टीवी /वीडियो देखना कक्षा के छात्रों से बात करना, खेलकुद में भाग लेना , गृहपाठ , कक्षा के सहपाठीयों के साथ चर्चा करना कि उन्होंने स्कूल में क्या पढा , घर के सदस्यों को अलग -अलग गतिविधियॉ के बारे में बताना जिसमें कक्षा सातवी के छात्र नियमित स्कूल के समय के अतिरिक्त भी व्यस्त रहते है | बहुत से छात्र स्कूल के बाहर कॉम्प्युटर और इंटरनेट का उपयोग करते है |

२३. कक्षा सातवी के अधिकतर छात्र दैनिक आधार पर अनेक परिवार के सदस्यों के देखते है | साधारण एक -चौथाही छात्र रोज घर पर खाना बनाते है और लगभग 2/5 th छात्र यही काम हफ्ते में एक बार करते हैं | लगभग आधे छात्र हर रोज अपने घर की साफ - सफाई करते है | और एक - तिहाई छात्र वही काम हफ्ते में केवल एक बार करते है |

२४. लिंग के आधार पर कक्षा सातवी के किसी भी छात्र के शैक्षिक प्राप्ति के साथ नहीं जुडे है |

२५. जाती / सामाजिक वर्ग श्रेणी छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन से संबंधित है | अनुसूचित जाते छात्रों का अंग्रेजी और गणित में सामान्य श्रेणी के छात्रों की तुलना में कमजोर प्रदर्शन रहा है | अनुसूचित जनजाति

के छात्र सामान्य श्रेणी के छात्रों के छात्रों की तुलना में गणित में बेहतर प्रदर्शन दिखाते है लेकिन अंग्रेजी में कमजोर प्रदर्शन करते हैं |

२६. शारिरिक रूप से नकारात्मक चुनौती भी स्कूल विषयों से छात्रों की शैक्षिक प्राप्ति को प्रभावित करते हैं |

२७. कक्षा सातवी के छात्रों के माता- पिता की शैक्षिक योग्यता छात्रों के शैक्षिक प्राप्ति पर साकारात्मक प्रभाव पडता है |

२८. घरपर संगणक अध्ययनडेस्क , शब्दकोश, इंटरनेट अखबार और पत्रिका छात्रों की शैक्षिक प्राप्ति पर साकारात्मक प्रभाव पडता है |

२९. घर पर जितनी अधिक पुस्तकें होंगी छात्रों का प्रदर्शन उतना ही अच्छा होगा |

३०. छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन में स्कूल के परिवहन की विधा का छात्रों पर प्रभाव चलकर स्कूल जाने वाले छात्रों की तुलना में सार्वजनिक बस और स्वयं के वाहनों का उपयोग कर स्कूल आने वाले छात्र बेहतर प्रदर्शन करते हैं | जो छात्र स्कूल बस या यादविचक्र से जाते है , वह चलकर जाने वाले छात्रों से बेहतर प्रदर्शन नहीं करते है |

३१. चोरी , मारना जैसे अप्रिय घटनाएँ ,दुसरों के व्दारा अपमानित होना , इच्छा के खिलाफ काम करने के लिए दबाव डालना , अन्य छात्रों व्दारा मारना , अन्य गतिविधियों से बाहर निकालना यह सब अलग -अलग विषयों में छात्रों के वार्षिक प्रदर्शन पर नाकारात्मक प्रभाव डालता है |

३२. पंद्रह से भी अधिक दिन कक्षा में अनुपस्थित रहने से छात्रों के वार्षिक प्रदर्शन में मुख्यत: गणित और विज्ञान के प्रदर्शन को प्रभावित करता है |

३३. स्कूल में छात्रों व्दारा संगणक का प्रयोग छात्रों के वार्षिक प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव डालता है |

३४. स्कूल के पुस्तकालयों से किताबें लाने वाले छात्रों का वार्षिक प्रदर्शन नकारात्मक रहा है | कभी - भी पुस्तकालय में न जानेवाले छात्रों की तुलना में स्कूल के पुस्तकालय से पुस्तक लेने वाले छात्र थोडा कम प्रदर्शन करते है |

३५. निजि शिक्षण कक्षाओं में भाग लेने वाले छात्र निजिशिक्षण कक्षाओं में न भाग न लेने वाले छात्रों की तुलना में कम प्रदर्शन करते हैं |

३६. पाठयपुस्तक के अतिरिक्त अन्य किताबें पढना जैसे कि उपन्यास ,कहानियॉ , समाचार पत्र,अन्य विभिन्न पठन सामग्री निर्देशन एवं दिशाओं को आधारित किताबें छात्र के वार्षिक शैक्षिक प्रदर्शन को सुधारने में उपयोगी सिध्द होती है |

३७. सूल के तासिकाओं के अतिरिक्त छात्रों को अन्य गतिविधियों में शामिल करना चाहिए जैसे कि टीवी/वीडीयो ,संगणक पर काम, दोस्तों के साथ चर्चा , अलग-अलग प्रकार के खेल खेलना, आनंदप्राप्ति के लिए किताबें पढना, इंटरनेट का उपयोग करते हुए गृहपाठ करना, जो पढाया गया है उपसर दोस्तों के साथ चर्चा करना और घर जाकर कक्षा में क्या पढाया गया इसके बारे में बताना यह सब छात्रों के वार्षिक प्रदर्शन पर साकारात्मक प्रभाव डालता है |

३८. अलग - अलग विषयों के प्रति छात्रों का साकारात्मक रवैया छात्रों के वार्षिक प्रदर्शन में भर ता है |

३९. प्रत्येक विषय में अलग -अलग गतिविधियों के प्रयोग से छात्रों के वार्षिक प्राप्ति: में साकारात्मक प्रभाव पडता है |

घ) शिक्षक - संबंधित चर और छात्रों की शैक्षिक प्राप्ति

१. गोवा राज्य कक्षा सातवी के लगभग आधे छात्र ४0 वर्ष से भी कम उम्र के हैं |

२. शिक्षकों की आयु का छात्रों के शैक्षिक प्राप्ति के साथ कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है |

३. प्राथमिक स्तर पर अनुसूचित जाति , अनुसूचित जनजाति और अन्य- पिछडेवर्ग के शिक्षक राज्य में अपने हिस्से की तुलना में उनका प्रतिशत बहुत कम हैं |

४. कक्षा सातवी के लगभग सभी छात्र स्नातक या स्नातकोत्तर की उपाधी प्राप्त कीए हुए है |

५. राज्य के प्राथमिक चरण में पढाने वाले सभी शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाता है और लगभग ४-५ शिक्षक स्नातक की उपाधी प्राप्त कीए हुए हैं |

६. शिक्षकों का शैक्षिक एवं व्यावसायिक शिक्षण छात्रों के शैक्षिक प्राप्ति को प्रभावित करता है |

७. कक्षा सातवी के अधिकतर शिक्षक नियमित एवं पूरा समय काम करते है पर राज्य के शिक्षक बडे प्रतिशत में अस्थायी आधार पर धारण किए हुए हैं |

८. छात्रों के वार्षिक प्रदर्शन में शिक्षकों के स्थायी या अस्थायी रोजगार का कोई महत्वपूर्ण संबंध नही है |

९. पिछले दो वर्षो में अधिकांश शिक्षकों ने सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है | दक्षिण गोवा के स्कूलों मे पढाने वाले शिक्षकों की सेवा कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी को देखते हुए उत्तरी गोवा के समकक्षों के तुलना में बेहतर है |

१0. कुछ विषयों में शिक्षकों का सेवा कार्यक्रमों में भाग लेना छात्रों के वार्षिक प्रदर्शन को सुधारने में मदत करता हैं |

११. दोनों जिलों के अधिकांश शिक्षक नियमित रूप से छात्रों को गृहपाठ देते हैं |

१२. शिक्षकों व्दारा स्वाध्याय के गृहपाठ की फ्रीक्वेंसी का छात्रों के वार्षीक प्रदर्शन सें कोई संबंध नही हैं |

१३. राज्य के लगभग सभी शिक्षक डायरी का इस्तेमाल करते हैं |

१४. कुछा विषयों में शिक्षक डायरी बनाना छात्रों के वार्षिक प्राप्ति में सकारात्मक प्रभाव पडता हैं |

१५. अधिकांश शिक्षक सप्ताह में ३१ या उससे भी अधिक तासिकाएँ लेते हैं |

१६. लगभग सभी स्कूलों में टी.एल.एम है और ज्यादातर स्कूलों में शिक्षकों का हैंडबुक एवं एवी की सुविधाएँ हैं |

१७. शिक्षकों के लिए टी.एल.एम एवं हैंडबुक की सुविधाओं की उपलब्धि छात्रों के वार्षिक प्राप्ति में साकारात्मक प्रभाव डालता हैं |

१८. वर्ष २0१३ -१४ में बहुतही कम शिक्षकों ने टी.एल.एम अनुदान प्राप्त किया |

१९. माननिय व्यक्तियों से शिक्षकों व्दारा शैक्षणिक समर्थन प्राप्त करना छात्रों के लिए बेहतर वार्षिक प्रदर्शन के लिए योगदान करते हैं |

२०. दोनों जिले के शिक्षक इस बात को मानने हैं कि उनका स्कूल सुरक्षित जगह पर स्थित है तथा वह अपने स्कूलों में सुरक्षित महसूस करते हैं | दोनो राज्यों के अधिकतर शिक्षक इस बात से सहमत है कि सूल में सुरक्षित नीतियॉ और कोशिश पर्याप्त हैं |

२१. हाला कि अधिक भीड कक्षा , शिक्षकों के लिए काम करने के लिए जगह की अपर्याप्तता , जांच के संचालन के लिए सामग्री की अनुपलब्धता यह सब कुछ हद तक छात्रों के वार्षिक प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव डालता हैं |

२२. नौकरी से शिक्षकों की संतुष्टी , शिक्षकों व्दारा पाठयक्रम को समझना, पाठयक्रम को लागु करने में शिक्षक की सफलता , छात्र की उपलब्धि के लिए शिक्षक की उम्मीद , छात्रों की उपलब्धि के लिए मता-पिता का समर्थन , मता -पिता स्कूल की गतिविधियों में शामिल होना यह सब गुण छात्रों के एक या अधिक विषयों में साकारात्मक दृष्टि से छात्रों की प्रदर्शन पर प्रभाव डालता है |

च) स्कूल से संबंधित चर और छात्रों की शैक्षिक प्राप्ति

१. राज्य के बहुमत स्कूल के बहुमत छात्र आर्थिक रूप से वंचित परिवारों से है| दक्षिण गोवा जिले से उत्तरी गोवा जिले के अधिकतर स्कूलों के छात्र गरीब परिवारों से है|

२. बच्चों की पारिवारिक आर्थिक स्थिति का उनके शैक्षिक प्राप्ति पर सकारात्मक प्रभाव पडता है|

३. जिले के अधित तर स्कूलों में सबसे पर्याप्त भौतिक सुविधाएँ है| टीवी ,मिनी टुल किट और विज्ञान किट को छोडकर अन्य सभी शिक्षण अधिगमन संसाधन दोनों जिलों के अधिकांश स्कूलों में उपलब्ध है|

४. शारिरीक,अनुदेशात्मक और विश्लेषण सुविधाओं की उपयोगिता से छात्रों की वार्षिक प्राप्ति से कोई संबंध नही है |

५. स्कूल के निरिक्षण का छात्रों की शैक्षिक प्राप्ति पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पडता |

६. दोनों जिलों के लगभग सभी छात्र माता-पिता से स्कूल के विशेष कार्यकमों में भाग लेने के लिए कहते है| अपने बच्चे का गृहपाठ पूरा होने और स्कूल समितियों पर से वारत सुनिश्चित करने के लिए कहते है|

७. पालकों का अलग-अलग विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए या विभिन्न तरीकों में योगदान करने के लिए कहना,छात्रों के वार्षिक प्रदर्शन में कोई प्रभाव दिखाई देता |

८. छात्रों द्वारा स्कूल में अच्छा प्रदर्शन हो,शिक्षकों की इच्छा,छात्रों की स्कूल की संपत्ति और छात्रों की दृढईच्छा छात्रों के साकारात्मक वार्षिक प्रदर्शन को प्रभावित करती है |

९. राज्य के लगभग सभी स्कूलों में पाठयपुस्तकें और सभी विषयों के टी.एल.एम है | पर राज्य के ज्यादातर स्कूलों में कार्य पुस्तिका और हैंडबुक नहीं हैं | दक्षिण गोवा में स्थित स्कूलों की तुलना में उत्तरी गोवा जिले के स्कूल शिक्षण सामग्री की उपलब्धी में बेहतर है |

१०. स्कूलों में विभिन्न विषयों के पाठयपुस्तको, टी.एल.एम कार्यपुस्तिकाओं और शिक्षको के विविध विषयों के हैंडबुक के रूप में शिक्षण सामग्री की उपलब्धता छात्रों की वार्षिक प्रदर्शन पर कोई विशेष प्रभाव नहीं डालता |

११. दोनों जिलों के सभी स्कूलों में कमप्युटर है , लेकिान किसी स्कूल में इंटरनेट कनेक्शन नहीं है | स्कूलों के सभी कमप्युटरों में यह सुविधा उपलब्ध हैं |

१२. स्कूल में कमप्युटर और इंटरनेट की सुविधा का सभी विषयों के छात्रोंके वार्षिक प्राप्ति पर साकारात्मक प्रभाव हुआ है |

१३. लगभग आधे स्कूलों में गणित और विज्ञान में छात्रों की क्षमता के अनुसार समूहों का प्रावधान किया गया है | सभी स्कूलों में इन दो विषयों में उपचारात्मक और संवर्धन कार्यक्रम आयोजित करते हैं |

१४. गणित और विज्ञान में छात्रों की योग्यता के आधार पर समूहीकरण करने इन विषयों में छात्रों की शैक्षिक प्रदर्शन के कोई संबंध नहीं है |

१५. विज्ञान और गणित में उपचारात्मक और संवर्धन कार्यक्रम में गोवा के छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन में कोई विशेष सुधार नही हैं |

१६. राज्य के अधिकतर सभी स्कूलों में प्राध्यापक शिक्षकों के अध्यापन का निरिक्षण करते हैं | मूल्यांकन का दूसरा तरिका , शिक्षक सहकर्मि की समिक्षा (८३ प्रतिशत)छात्रों की उपलब्धि (९४‰) शिक्षकों के व्दारा विभिन्न कोशिश करने पर भी छात्रों के उच्च शैक्षिक प्राप्ति से नही जुड पाए हैं |

१७. अपर्याप्तता विभिन्न सुविधाओं एवं संसाधनो एवं सामग्री की कमी कुछ हदतक शैक्षिक क्षमता पर प्रभाव डालता है | और राज्य के स्कूलों पर भी प्रभाव डालता हैं | चिजों की अपर्याप्तता और कमी स्कूलों में पढने -पढाने के प्रक्रिया , दक्षिण गोवा जिले के तुलना में उत्तरी गोवा जिले में अधिक है |

१८. अपर्याप्तता, स्कूलों में विभिन्न सुविधाएँ , संसाधन , माल की कामी न केवल प्रतिकूल स्कूल की शिक्षण क्षमता को प्रभावित करता है , साथ ही साथ इसमें चारों विषयों में छात्रों के वार्षिय प्रदर्शन में उसका नकारात्मक प्रभाव रहा है |

१९. राज्य के अधिकतर स्कूलों के छात्रों में शायद ही कभी व्यावहारिक समस्याऐं उत्पन्न होती होंगी |

२०. छात्रों के अलग अलग स्वभाव नकारात्मक रूप से छात्रों के प्रदर्शन पर प्रभाव करते हैं | यह विज्ञान विषय पर प्रभाव करता है अन्य विषयों पर नहीं |

२१. गणित और विज्ञान के शिक्षकों का विभिन्न व्यवसायिक गतिविधियों में भागीदारी करना याने इन दोनों विषयों में छात्रों के प्रदर्शन के सुधार की दिशा में योगदान दोता है |

आभार

गोवा सर्व शिक्षा अभियान राज्य की शिक्षा प्रणाली पर अधिक्तम प्रभाव के लिए रिपोटिंग वर्ष के दौराने कठिन संघर्ष किया हैं | सभी विभिन्न पदानुक्रमित स्तरों पर एक २00 कार्मचारियों के ताकत के साथ निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपने स्तर पर पूरी कोशिश की | राज्य एवं जिला समन्वयकों के समर्थन के साथ टीचर्स ट्रेनिंग , एस एम सी प्रशिक्षण और गुणवत्ता के लिए सभी आवश्यक पहलुओं के संदर्भ में हासिल की थी | हमारे लक्ष्य की प्राप्ति में समग्र सफलता लाने के लिए उनके प्रयासों मे सभी संबंधित प्रश्नों के लिए हम ईमानदारी से उनका धन्यवाद करते हैं | हमारा विशेष ध्यान विशेष जरूरत के बच्चों तथा स्कुल नहीं जाने वाले बच्चों के लिए हैं |

सामुदायिक अभिप्रेरण कार्यक्रमो के माध्यम से हम विद्यालय के वातावरण को बच्चों के अनुकुल बनाने के लिए अपने -अपने क्षेत्रों में ढांचागत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाये गये है तथा पीटी ए और एस एस सी को ज्यादा संवेदनशील बनाने के लिए प्रयासरत है | हम ईमानदारी से सशक्त विदयालय वातावरण तथा सकिय विदयालय समुदायों को बनाने में एस एस सी द्वारा विभाई गई महत्त्वपुर्ण भुमिका को स्वीकार करते है |

विभिन्न उपायों के प्रत्यक्ष एवं गुणात्मक परिवर्तन स्कूलों में हुई हैं | सरकारी प्राथमिक स्कूलों में गुणवतापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करना जिससे छात्रों की ताकद एवं विश्वास बढे एक अत्यंत कठिन कार्य है स्वीकार करना चाहिए |

गोवा सर्वशिक्षा अभियान अच्छे शौचालय उपलब्ध कराने तथा सभी विद्यालयों में स्वच्छ पानी की सुविधा देने में स्वच्छ जबरदस्त प्रगति की है | गोवा सर्व शिक्षा अभियान निरंतर आगे बढते हुए अपने सभी हितषियो, शिक्षा निदेशालय , एस एम सी सदस्य , स्थानीय निकायों के सदस्यों के साथ सक्रियतापूर्वक राज्य मे एक प्रभावपूर्ण माहौल तैयार की है |

एस पी ओ तथा डी पी ओ स्तर के सभी कर्मचरियों एवं पदाधिकारियों ने बी आर सी ,बी आर पी तथा सी आर पी के साथ मिलकर दूर दराज क्षेत्रों में योजनाओं को पहुचानें मे प्रमुख भूमिका निभाई हैं जहॉ निरंतर निगरानी और जमीनी स्तर के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक हैं |

एसआरॅजी के सदस्यों ने गोवा सर्व शिक्षा अभियान को मजबुती देने मे अपनी विशेषज्ञता का योगदान दिया हैं |

गोवा सर्व शिक्षा अभियान प्राथमिक शिक्षा बढाने के क्षेत्र मे अपने सहयोगियो जैसे शिक्षा निदेशक , एस सी ई आर टी निदेशक , डी आई इ टी के प्राचार्य का ईमानदारी से आभार व्यक्त करते हैं |

गोवा सर्व शिक्षा अभियान समर्थन एवं मार्गदर्शन के लिए शासी परिषद के अहयश्र , मुख्य सचिव गोवा सरकार , श्री विजयन का आभार व्यक्त करते हैं |

गोवा सर्व शिक्षा अभियान कार्यकारी समिति के अहयश्र एवं सचिव (शिश्रा) श्री डी पी व्दिवेदी, आई एस एस जिन्होने उत्साहपूर्वक मार्गदर्शन किया का अभिनंदन एवं आभार व्यक्त करता हैं | उनका कठिन कार्य , समर्पण और उत्साह की भावना को कभी नहीं भूला जा सकता हैं |

अंत मे गोवा सर्व शिक्षा अभियान एम एच आर डी के सदस्यों का हार्दिक शुक्रिया अदा करता है जिन्होने अपना बहुमूल्य सहायता और मार्गदर्शन प्रदान किया है | खासकर दुर दराज के क्षेत्र मे इस कार्यक्रम को पहुँचाने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधिकारियों के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं | विशेषत: हम आभारी है टी एस जी (एडसील इंडिया लिमिटेड) के सदस्यों का जो हमारी समस्याओं के निवारण मे हमेशा तैयार थे |

चलो हम पुरी ताकद से नि:स्वार्थ भाव से एक बार फीर अच्छी शिक्षा, छात्र केन्द्रित शिक्षा हमारे राज्य की पहचान बने उसके लिए तन -मन से कार्य करे | अच्छी शिक्षा एवं शिक्षित व्यवस्थित बच्चे के कंधो पर ही देश का भविष्य खडा है | पुन: बच्चो के सुंदर भविष्य एवं सुखमय जीवन के लिए तत्पर रहें |

आभारपुर्ण धन्यवाद के साथ
प्रति ,
श्री मीनानाथ उपाद्ये
राज्य परियोजना निदेशक
गोवा सर्व शिक्षा अभियान |